चिन्ह की आवाज़

धन्यवाद। होने पाए हम कुछ क्षण के लिए खड़े ही रहेंगे, जब हम वचन को पढ़ते हैं, आज रात्रि सीधे वचन की ओर जायेगे, इसलिये हम अधिक समय नहीं लेंगे। मैं चाहता हूं कि आप आज रात मेरे साथ निर्गमन की किताब को खोलेंगे, और निर्गमन की किताब के 4थे अध्याय से आरंभ करेंगे।

तब मूसा ने उतर दिया, कि वे मेरी प्रतीति न करेंगे और न वे मेरी आवाज़ को सुनेंगे, वरन कहेंगे, कि यहोवा ने तुझ को दर्शन नहीं दिया।

और यहोवा ने उससे कहा, तेरे हाथ में वह क्या है? वह बोला, लाठी।

उसने कहा, उसे भूमि पर डाल दे। जब उसने उसे भूमि पर डाला, तब वह सर्प बन गई; और मूसा उसके साम्हने से भागा।

तब यहोवा ने मूसा से कहा, तेरा हाथ बढ़ाकर, और उसकी पूंछ पकड़ ले। और तब उसने हाथ बढ़ाकर और उसको पकड़ा, तब वह उसके हाथ में फिर लाठी बन गई:

कि वे विश्वास करे सके कि प्रभु उनके पूर्वजों का प्रभु परमेश्वर, अर्थात अब्राहम के परमेश्वर,... इसहाक के परमेश्वर... और याकूब के परमेश्वर, यहोवा ने तुझको दर्शन दिया है।

फिर यहोवा ने उससे यह भी कहा, कि अपना हाथ छाती पर रखकर ढांप। सो उसने अपना हाथ छाती पर रखकर ढांप लिया; फिर जब उसे निकाला, तब क्या देखा, कि उसका हाथ कोढ़ के कारण हिम के समान श्वेत हो गया है।

तब उसने कहा, अपना हाथ छाती पर फिर रखकर ढांप। और उसने अपना हाथ छाती पर रखकर फिर से ढांप लिया; और जब उसने उसको छाती पर से निकाला तब क्या देखता है... कि वह फिर सारी देह के समान हो गया।

तब ऐसा होगा, यदि वे तेरी बात की प्रतीति न करें, और पहिले चिन्ह की आवाज़ को न मानें, तब वे दूसरे चिन्ह की आवाज़ की प्रतीति करेंगे।

2 आइये हम अपने सिरों को झुकाये। और अपने झुके हुए सिरों के साथ, और हमारे हृदय भी झुके हुए है, मैं सोचता हूं कि क्या आज रात यहां कोई है जो प्रार्थना के लिए विनंती को चाहता है? क्या आप इसे हमारे हाथों को उठाने के द्वारा इसे बतायेंगे। परमेश्वर आपके विनंतियों को प्रदान करे।

3 हमारे स्वर्गीय पिता, हमने इसे ऐसा सौभाग्य समझा है, कि आपके पास प्रार्थना में आये, प्रभु यीशु के नाम में आते हुए। और उसके द्वारा प्रतिज्ञा की गई है, कि यदि हम उसके नाम में कुछ भी मांगते हैं, तो इसे प्रदान किया जाएगा। आप हम में से हर एक की आवश्यकता को जानते हैं। आप जानते हैं कि हमारे हाथ क्या दर्शाते हैं जब वे ऊपर की ओर उठाये गये है। मैं प्रार्थना करता हूं, पिता, कि आप आज रात हर एक विनंती का उत्तर देंगे। महिमा मिले।

4 और अब ऐसा हो कि वचन का महान शिक्षक, पवित्र आत्मा, आज रात हम पर आये, और अपने आप को हम पर प्रकट करे, और—और अपने आप को हमारे लिए ज्ञात करवाये, उसके उस—उस पुनरुत्थान के प्रमाण के द्वारा। होने पाए वह आज रात हमारे बीच में आए, प्रभु, और—और हमारे हृदय में आये। उन चीजों में से होते हुए हमसे बात करें, जिसकी उसने आज के दिन के लिए प्रतिज्ञा की है। होने पाए वे वचन जिनकी इस घड़ी के लिए प्रतिज्ञा की गई है, हमारे सामने प्रगट हो, जिससे कि हम निश्चिंत हो सके, इस बड़ी संकटपूर्ण समय में जो आपने कहा कि धरती के ऊपर आयेगा, जिससे कि सारे लोगों को परख सके। और यह निश्चित रूप से उस समय पर आ गया है, पिता, जब मनुष्य परखा जाता है। और वहां बहुत सारे भिन्न–भिन्न कोण है, यहाँ तक शायद कोई नहीं जानता है कि क्या करना है। लेकिन, प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आज रात हमें ज्ञात करवाएंगे, कि आप यहां पर हैं और हमारे साथ हैं, यह यहां पर है ताकि हमारी सहायता करे। हमारे विनंतियों को स्वीकार करें, क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

बैठ जाए।

5 मैं हर रात बस थोड़ी देर से पहुँच रहा हूँ। और मैं *इस* माइक्रोफोन के

विषय में सोच रहा हूं, लेकिन यह वाला रिकॉर्डिंग के लिए है। लेकिन यह जो *यहाँ* पर है, मैं सोचता हूँ, यही वो एक है जिसे मुझे सुनना है, मेरा मतलब इसमें बोलना है।

6 कल की रात भोजन की रात है, इसलिए इसे मत भूलना। मैं सोचता हूं कि यह... मैं समझता हूं कि इसकी घोषणा कर दी गई है कि लोगों को कहां पर जाना है।

7 हम निश्चित रूप से आपके सहयोग की सराहना करते हैं उन महान चीजों में जिन्हें हमारे प्रभु ने की है।

8 अब, आज रात, मैं सोचता हूं कि, जब तक हम परमेश्वर के वचन को नहीं जानते, हम नहीं जानते कि क्या करना है। हमारे पास विश्वास नहीं हो सकता है जब तक हम यह नहीं जानते कि परमेश्वर की इच्छा क्या है। और, क्या, तब यदि हम जानते हैं कि यह परमेश्वर की इच्छा है, परमेश्वर का वचन कुछ तो कहता है, तब हम आनंद से इसका अनुकरण कर सकते हैं।

9 अब यदि प्रभु यीशु, व्यक्तिगत रूप से आज रात धरती पर चल–फिर रहा था, मनुष्य की देह में, और उसने कहा, "कल पुरे दिन भर वर्षा होगी," अब मेरे लिए सुबह निकलते समय छाता ले जाना बहुत आसान होगा, क्योंकि उसने ऐसा कहा है। अब, यदि उसने इसे नहीं कहा, तब मैं नहीं जानता कि क्या देखना चाहिए। तो यह इसी तरह से है, हम जो कुछ भी करते हैं, हम यह जानना चाहते हैं कि हम किस समय, किस युग में रह रहे हैं।

10 और नए लोगों को, इस सप्ताह हमने यह दिखाने का प्रयास किया है कि परमेश्वर आरंभ से ही अंत को जानता था। यही बात उसे अनंत बनाती है। यदि वह अनंत नहीं है, अनंत, तो वह परमेश्वर नहीं है। और उसे परमेश्वर होने के लिए सर्वसामर्थी, सर्वव्यापी, सर्वज्ञानी, और सर्वसामर्थी होना है। यही सारी सामर्थ है, सारी चीजों को जानता है, सभी स्थानों में, और—और—और आदि से ही अंत को जानता है। यदि वह नहीं जानता है, तो वह परमेश्वर नहीं है।

11 तो वास्तव में प्रबंध या आवश्यकता से कुछ भी बाहर नहीं है। यह हम है। लेकिन परमेश्वर के वचन में कुछ नहीं; यह घड़ी की तरह टिक–टिक कर रहा है। और जब ऐसा होने का समय आता है, तो उस युग के लिए

जो वचन निर्धारित किया गया है, वह घटित होता है। हम सोच सकते हैं कि यह... ऐसा नहीं होगा। किसी समय में ऐसा होता है और हम इसे नहीं जानते हैं। यीशु ने कहा, एक बार...

12 उन्होंने उससे कहा, "ऐसा क्यों है वो—वो... सारे शास्त्री कहते हैं कि 'पहले एलिय्याह का आना अवश्य है'?" देखो, अब, उन्होंने इसका विश्वास किया। उन्होंने विश्वास किया कि एलिय्याह आ रहा था।

13 और यीशु ने उनकी ओर देखा, और कहा, "एलिय्याह पहले ही आ चुका है, और तुम उसे नहीं जानते।" देखा? अब, देखो, यह ठीक उन शास्त्रियों, सेवकों, चेलों को छोड़कर निकल गया। और यह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला था, और वह उसी प्रकार से आया जैसा एलिय्याह को आना था, फिर भी उन्होंने उसे नहीं पहचाना।

14 और अब यह हमारे लिए आवश्यक है कि हम उस घड़ी को पहचानें जिसमें हम रह रहे हैं, और जिस समय में हम जी रहे हैं। उसी बात पर, मैं आज रात बोलना चाहता हूं: *चिन्ह की आवाज।*

15 एक अनूठा विषय, फिर भी परमेश्वर अनुठी चीजों को असामान्य तरीके से करता है। यही है जो उसे परमेश्वर बनाता है, क्योंकि वो—वो अलौकिक है। और हर एक चीज जो वह करता है, वह—वह ऐसे ही करता है, वह इसे अलौकिक रूप में कर सकता है, क्योंकि वह अलौकिक है।

16 अब, *चिन्ह की आवाज।* और यह एक... वहां चिन्ह की एक आवाज होती है। वहां लहू की एक आवाज होती है। धरती पर से लहू बोल उठा, और—और इत्यादि, "हाबिल का धर्मी लहू कैन के विरोध में बोल उठा।" और बाईबल ने कहा, "यीशु मसीह *का* लहू हाबिल के लहू से भी उत्तम बातें करता है।"

17 अब आज रात्रि हमारा स्थान, मेरा मतलब हमारा दृश्य, निर्गमन में खुलता है। और निर्गमन का समय बाहर बुलाने का समय होता है, और निर्गमन निकट था।

18 मूसा, वो प्रभु का दास, एक—एक कर्तव्य को पूरा करने के लिए बुलाया गया था। और वो कर रहा था जो उसने सोचा था, उसने मिस्र में उच्च शिक्षा को लिया था, उसने मिस्रियों के सारे उस—उस ज्ञान को सीखा था, और ऐसा प्रतीत होता है कि उसके पास एक—एक तरीका था, कि वो एक बड़े सैन्य प्रतिभाशाली होने के नाते, कि वह अपने लोगों को

उस बंधुवाई के नीचे से छुड़ाने में सक्षम था, क्योंकि वह अगला होने वाला फिरौन था। और उसके लिए यह करना कितना आसान होगा। लेकिन, आप देखे, यदि ऐसा मामला होता, तब तो यह एक स्वाभाविक बात होती।

19 परमेश्वर स्वाभाविक चीजों को नहीं लेता है। वह खुद को साबित करने के लिए अलौकिक चीजों को लेता है।

20 अतः चालीस वर्षों की शिक्षा में से, जो उच्चतम और सर्वोत्तम शिक्षा उसे प्राप्त हो सकती थी, वह उसने प्राप्त की, वह सबसे अच्छा पढ़ा–लिखा विद्वान हो सकता है; जो अपनी मां की समझ के साथ था, जो उसकी शिक्षका थी, कि वही वो एक है जिसे लोगों को छुड़ाना था; और वह अपनी समझ की शक्ति में चला गया, और एक मिस्त्री को मार डाला। और, उसमें से, हम देखते हैं कि उसके प्रयास विफल हो गए, और उसके बाद वो रेगिस्तान में भाग गया।

21 और जो मिस्र ने जो शिक्षा में, चालीस वर्षों में उसके अंदर डाला, उसे उसमें से निकालने के लिए परमेश्वर को चालीस वर्ष और लगे, देखो, इसलिए वह अपनी शिक्षा की नैतिकता पर भरोसा नहीं करेगा। वह अलौकिक में भरोसा करेगा।

22 और अब वह समय निकट आ गया था जब परमेश्वर ने अब्राहम से चार सौ वर्ष पहले प्रतिज्ञा की थी, कि उसका बीज पराये देश में परदेसी होकर रहेगा, और उन्हें बाहर निकाला जाएगा। चालीस वर्षों के बाद, उन्हें एक सामर्थी हाथ के साथ बाहर लाया जाएगा। वह अपने लोगों को एक सामर्थी हाथ से छुड़ाएगा। और जब प्रतिज्ञा का समय नजदीक आया, यही है जब परमेश्वर ने मूसा को दृश्य पर रखा। मूसा, अपनी पूर्ण असफलता के कारण जंगल में चला गया था।

23 अब यहाँ जो प्रतिछाया है, वहाँ एक अद्भुत प्रतिछाया है जिसे हम निश्चित रूप से चूकना नहीं चाहते हैं। समझे? प्रतिछाया ऐसी थी, परमेश्वर इस्राएल को बाहर ला रहा था, उसके लोगों को, एक राष्ट्र, एक राष्ट्र को एक राष्ट्र से बाहर ला रहा था। एक राष्ट्र में से एक राष्ट्र, आज की एक सुंदर प्रतिछाया, कि परमेश्वर अपनी दुल्हन को कलीसिया से बाहर बुला रहा है, एक मसीही कलीसिया से बाहर मसीही दुल्हन, एक कलीसिया से बाहर एक दुल्हन कलीसिया को, जिसे बाईबल में बुलाया गया, जिसका उल्लेख किया गया है।

24 मेरे पास आज रात इस विषय पर बहुत सी टिप्पणियाँ और वचन लिखे हुए हैं।

25 इसे कभी–कभी "चुना हुआ, निर्वाचित, या स्त्री के बीज का अवशेष" कहा जाता है।" इसे "दुल्हन," बुलाया गया था, जो परमेश्वर ने अपने पूर्वज्ञान के द्वारा, होने के लिए ठहराया। यही है, दुल्हन कलीसिया से बाहर आती है। देखो, सारी चीज एक कलीसिया है, लेकिन परमेश्वर कुछ लोगों को उस कलीसिया से बाहर निकालता है, एक दुल्हन के रूप में। उसने कहा वह करेगा। और उसने ऐसा किया, ध्यान दे, या वह ऐसा करेगा।

26 ध्यान दें, देखिए उसने यह कैसे किया, और किस प्रकार से और कैसे उसने यह किया। अब हम इसे देखना चाहते हैं, जब उसने इस्राएल को बाहर निकाला, उसने इसे कैसे किया, और किस प्रकार से उसने—उसने इसे किया।

27 ध्यान दें जब उस प्रतिज्ञा किये हुए वचन के समय को पूरा होना था, परमेश्वर ने मूसा को पहले से ठहराये जाने के द्वारा बुलाया, और उसे कार्य के लिए चुना। देखा? परमेश्वर ने हमेशा ही उस व्यक्ति को उस समय पर लक्ष्य पर पाया है। परमेश्वर से कुछ भी चुक नहीं होती है। उसने यह कहा; यह असफल नहीं हो सकता। यदि यह असफल होता है, तो परमेश्वर असफल हो जाता है, क्योंकि परमेश्वर वचन है।

28 ध्यान दें, अब, वचन का प्रगटीकरण होना था। और जब एक प्रतिज्ञा के वचन का प्रगटीकरण होना था, तो परमेश्वर हमेशा ही एक भविष्यव्यक्ता को भेजता है कि उस प्रतिज्ञा को प्रगट करे, क्योंकि प्रभु का वचन उसके पास आता है।

29 मूसा, इस उद्देश्य के लिए पहले से ठहराया गया था, उस काम के लिए बुलाया गया था। इसे कोई और नहीं कर सकता।

30 जब परमेश्वर ने एक व्यक्ति को काम को करने के लिए बुलाया है कि इसे करे, तो कोई भी उसके स्थान को नहीं ले सकता है। कोई भी आपका स्थान नहीं ले सकता है, आपके विशेष गुण।

31 मैंने अक्सर इस बात को सोचा है, मैं भला कैसे ओरल रॉबर्ट्स का स्थान लेना चाहूंगा, मैं भला कैसे बिली ग्राहम के स्थान को लेना चाहूंगा, किसी ऐसे व्यक्ति का। जैसे बिली ग्राहम, जाकर लोगों की सभा के लोगो से बात करते हैं, पापियों को वेदी पर बुलाते हैं; इसे भूलकर और घर चले

जाये, वहां खड़े होकर और फिर से कुश्ती नही लड़ना है। मैं बिली ग्राहम नहीं हो सकता, लेकिन न ही बिली ग्राहम जो मैं हूं हो सकता है। हम दोनों ही... मैं ओरल रॉबर्ट्स नहीं हो सकता; ओरल रॉबर्ट्स मैं नहीं हो सकता।

32 आप, हर एक जन, परमेश्वर की अर्थ व्यवस्था में स्थिर है, बस अपने स्थान के लिए होता है। हर एक समय उपवास रखता है और परमेश्वर के साथ वार्तालाप करता है, जबकि दूसरा एक शैतानों को निकालता है क्योंकि यह एक उपवास में रहता है। लेकिन यह मसीह की सारी देह है जो एक साथ काम कर रही है, एकता में। जब हम इन संप्रदायिक बाधाओं को देखते हैं जो हमें अलग–अलग कर रही है, यही है जो मेरे हृदय को चोट पहुँचाती है, देखो, क्योंकि यही वो चीज है जो हमें अलग करती है। हम एक है।

33 हमारे बीच कोई बड़े लोग नहीं है, हमारे बीच में कोई महान लोग नहीं है। हम सब एक समान है। हम परमेश्वर की संतान है। हमारे बीच में केवल एक ही महान है, और वह मसीह है। हमें अवश्य ही उसे पहचानना है। और यदि हम एक दूसरे से सम्मान चाहते हैं, हमारे पास विश्वास नहीं हो सकता, क्योंकि हम तो एक दूसरे पर विश्वास कर रहे हैं हमें मसीह में विश्वास करना होगा। वही वो एक है जो हमारे बीच में है जिस पर हमारा विश्वास होना ही है, और फिर उसमें विश्वास करना है जो वह कर रहा है और हमें दिया है।

34 अब, कोई भी मूसा का स्थान नहीं ले सकता। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कितना भी भागे, और कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसने कितनी भी इससे दूर जाने की कोशिश की हो, फिर भी परमेश्वर जानता है कि वह क्या कर रहा है। वह जानता था कि उसे मूसा में से क्या लेना था और उसमें से क्या बनाना है। इन बातों को घटित होना था। अब, देखो, कोई भी उसका स्थान नहीं ले सकता।

35 अब ध्यान दे। परमेश्वर ने उसे एक चिन्ह दिया, ताकि उसके बुलाये जाने और दावों को साबित करे, जब वह मिस्त्र में चला गया।

36 अब, परमेश्वर हमेशा ही एक संदेशवाहक को एक चिन्ह देता है, और उस चिन्ह की आवाज को देता है। और यह चिन्ह मनुष्य की पहचान देता है, यदि यह वचन में लिखा हुआ है।

37 जैसे यूहन्ना ने कहा, "मैं जंगल में एक पुकारने वाली आवाज हूं।"

उन्होंने कहा, "क्या तू मसीहा है? "

38 उसने कहा, "मैं मसीहा नहीं हूं। लेकिन मैं जंगल में एक पुकारने वाले की आवाज हूं, जैसा कि यशायाह भविष्यवक्ता ने कहा था।" वह स्पष्ट रूप से अपनी पहचान को दे सका।

39 और अब, फिर, उसी में, हम पाते हैं कि परमेश्वर, हमेशा ही, किसी भी चीज को करने के अपने तरीके को कभी नहीं बदलता है। वह नहीं बदल सकता। परमेश्वर हर एक चीज को ठीक उसी तरह से करता है, जब वह—वह अपनी व्यवस्था को एक साथ स्थापित करता है।

40 जैसा कि मैंने एक रात को कहा, उसने एक निर्णय को लिया, मनुष्य को एक निर्दोष के बहाए हुए लहू के द्वारा बचाया जाना होगा। हमने मनुष्य को बचाने के लिए हर एक संभव प्रयास किया है। हमने उसे एक ऐसे स्थान पर ले जाने की कोशिश की जहां हमने एक नगर बनाया, नबूकदनेस्सर ने किया। और उन्होंने एक मीनार को बनाया, ऐसा निम्रोद ने किया। उनके पास एक नियम था। और उनके पास मंदिर थे। उनके पास कलीसियाये थी। उनके पास संगठन थे। उनके पास शिक्षा के सिद्धांत थे, सांप्रदायिक सिद्धांत थे, जो मनुष्य को परमेश्वर के पास लाने का यत्न कर रहे थे। इसका, हर एक अंश, असफल हुआ है। यह हमेशा ही असफल रहेगा। यह सीधे वापस बहाये हुए लहू की ओर वापस आता है!

41 परमेश्वर का किसी भी चीज को करने का तरीका उसके वचन में बोला गया है। और यह वचन यीशु मसीह का संपूर्ण प्रकाशन है, इसमें कुछ भी नहीं जोड़ा जाना है या ना ही इसमें से निकाला जाना है। "जो कोई भी ऐसा करता है," बाईबल ने कहा, "उसका भाग मेमने की जीवन की पुस्तक में से निकाल दिया जाएगा," यदि वो कुछ भी जोड़ता है या इसमें से कुछ भी निकालता है। इसे बस उसी तरह से ले जिस तरह से इसे लिखा गया है।

42 बाईबल को इसका अनुवाद करने के लिए किसी की भी आवश्यकता नहीं है, परमेश्वर उसका खुद का अनुवादक है। वो जो कहता है उसे पूरा करने के द्वारा इसका अनुवाद करता है। इससे बात ख़त्म हो जाती है। यदि परमेश्वर ने यह कहा, और उसने यह किया, बस बात ख़त्म। इसे किसी अनुवादक की आवश्यकता नहीं है। बाईबल ने कहा, "इसका कोई निजी अनुवाद नहीं है।"

43 इसे करने का परमेश्वर का तरीका है! वो हमेशा अपने भेजे हुए चिन्ह

के प्रति सच्चा रहता है, उसने उसकी आवाज़ का अनुसरण किया; तब से, जब भी परमेश्वर धरती पर कोई चिन्ह भेजता है। "अब परमेश्वर कभी भी कुछ भी नहीं करता है," बाईबल ने कहा, "जब तक वह इसे पहले अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को नहीं दिखाता।" अब, आप... यदि यह ग़लत है, तो बाकी का सब भी ग़लत है, देखो। वो कभी भी कुछ नहीं करता जब तक वह इसे नहीं दिखाता।

44 और उस नबी, भविष्यवक्ता को पहचाना जाना है, कि वह क्या भविष्यवाणी करता है, हम गिनती 12:6 में पाते हैं, कि जो वो कहता है वह घटित होता है। तब, इसे विश्वास करें। लेकिन यदि यह पूरा नहीं होता है, तो फिर इसका विश्वास ना करें। और यह उसके लिए अवश्य ही होना है, उसका... कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कितना भी कहता है, और यह पूरा होता है, और जो भी हो; यदि यह वचन के अनुसार नहीं है, तो अब भी यह गलत है। यह वचन के साथ अवश्य ही मेल खाना है। इसे उस समय के चिन्ह के लिए वचन के साथ अवश्य ही व्यवस्थित होना है, जिस समय में वे रह रहे हैं।

45 अब, यह परमेश्वर के द्वारा प्रतिज्ञा की गई थी, कि वह अपने लोगों को बलवन्त भुजा से छुड़ाएगा। अब, जब यह वचन, उसने एक याजक को नहीं बुलाया, उसने एक रब्बी को नहीं बुलाया, उसने एक प्रबंधक को नहीं बुलाया। उसने एक चरवाहे को बुलाया, वहां पहाड़ पर, एक भगोड़ा, जन्मा, पहले से ठहराया हुआ भविष्यवक्ता जो उसके काम को नहीं चाहता था।

46 जब आप लोगों को सुनते है जो *यह*, *वो,* या *कुछ* और बनने की इच्छा रखते हैं, बस ध्यान दें, परमेश्वर कभी भी उनका उपयोग नहीं करता है। परमेश्वर को मूसा को पाने के लिए, उसे ढूंढना था। उसे पौलुस को पाने के लिए, उसे ढूंढना था। वह... यह तो मनुष्य है जो इसे नहीं करना चाहता है, वे उन चीजों को नहीं चाहते हैं; तब परमेश्वर उस मनुष्य को लेता है, जिसे वो नहीं करना चाहेगा, इसलिए वह इसके द्वारा अपनी महिमा को दिखा सकता है।

47 अब ध्यान दे। हर एक—हर एक सच्चा परमेश्वर का भेजा हुआ चिन्ह उसके पीछे एक आवाज है। अब आप यहां ध्यान दे, मूल विषय... चिन्ह और आवाज है। "यदि वे पहले चिन्ह की आवाज का विश्वास नहीं करेंगे, तब वे दूसरे चिन्ह की आवाज का विश्वास करेंगे।" अब, चिन्ह के पास एक

आवाज होती है। और, अब, हर एक सच्चे परमेश्वर के भेजे हुए चिन्ह के पास एक आवाज होती है, और उस आवाज को अवश्य ही उस वचन के अनुसार बोलना है जो उस दिन के लिए दिया गया है, बिल्कुल ठीक।

48 यदि आवाज आती है, वही पुरानी आवाज उसी पुरानी... आप एक चिन्ह को देखते हैं, बल्कि, और वो चिन्ह जो मनुष्य कर रहा है, ये वही पुरानी विद्यालय की विचारधारा होती है, तब आप ठीक वहां उस समय कह सकते हैं, "यह परमेश्वर की ओर से नहीं आया," यदि यह उसी पुराने विचारधारा के विचारों की पहचान को जारी रखता है। ऐसा कभी नहीं हुआ। यह कभी नहीं हुआ। यह परमेश्वर की योजना के विरुद्ध होगा।

49 इसे कुछ तो नया होना है। इसे कुछ तो होना है जिसे लोग नहीं समझते हैं। इसके पास... या इसे नहीं भेजा जाएगा। इसे भेजने की आवश्यकता नहीं है, यदि वही धर्म विज्ञान का पुराना विद्यालय है। इसे कुछ तो अलग होना होगा, अब भी इसे वचन में पहचाना जाना है, कि यह उस दिन के लिए है। देखो, परमेश्वर के वचन की सकारात्मकता, इसे ऐसा ही होना है। इसमें कोई चूक नहीं है। इसे सत्य होना होगा; परमेश्वर के द्वारा प्रमाणित होना है, सत्य। और वो मनुष्य जो इसे बोलता है उसे परमेश्वर की ओर से प्रमाणित होना है, कि परमेश्वर की ओर से एक नबी होगा, या यह गलत है; वे यहां तक—यहां तक कि इसे बिल्कुल भी नहीं देखते हैं, यहां तक कि इसका विश्वास भी नहीं करते।

50 चिन्ह परमेश्वर की ओर से होते है—है। वो चिन्ह जो पीछे आता है... या, वो आवाज जो चिन्ह के पीछे जाती है, वो अवश्य ही उस युग के लिए वचन में से बोलने वाले परमेश्वर की आवाज होना ही है। क्या आप इसे समझते हैं?

51 परमेश्वर चिन्ह को देता है। वह इसके लिए क्या करता है? हमेशा ही चिन्ह को देता है! उसने उनसे कहा कि वे उसे इन्हीं चिह्नों में ढूँढ़ेंगे। परमेश्वर अपने लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए चिह्न देता है। अब आइए हम इसका अच्छी तरह से अध्ययन करें। देखो, लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए चिन्ह दिए गए हैं। क्योंकि, जब परमेश्वर का भेजा हुआ चिन्ह दिया जाता है, तो परमेश्वर बोलने के लिए तैयार होता है। परमेश्वर बोलने के लिए तैयार है, जब वो चिन्ह दिया जाता है। यदि यह स्वर्ग से आता है, तो यह परमेश्वर की ओर से होता है, और परमेश्वर बोलने के लिए तैयार

है और वह लोगों का ध्यान आकर्षित करने का यत्न कर रहा है।

52 और वचन उसके भविष्यव्यक्ता के पास आता है। और भविष्यव्यक्ता की पहचान उस चिन्ह के द्वारा होती है जिसे वह दिखाता है, और फिर वह वचन पर आता है और वचन प्रकटीकरण में होता है। इससे बात ख़त्म हो जाती है; किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर पहले ही इसका अनुवाद कर चुका है। देखो, यह उतना ही सिद्ध है जितना यह हो सकता है।

53 अब ध्यान दें, परमेश्वर लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए चिन्ह को देता है।

54 यहाँ, जलती हुई झाड़ी भविष्यव्यक्ता को आकर्षित करने का चिन्ह था; वो जलती हुई झाड़ी। मूसा रेगिस्तान के पीछे अपनी भेड़ को चरा रहा था, एक बूढ़ा चरवाहा, अस्सी वर्ष का, लंबी दाढ़ी; वह शायद एक गर्म सुबह, एक परिचित पुराने रास्ते के किनारे–किनारे चला जा रहा है। और फिर, अचानक से, एक झाड़ी आग पर आ गई, और उस झाड़ी भस्म नहीं हुई। तो, यह पूरी तरह से असामान्य बात थी।

55 अब, मूसा एक वैज्ञानिक होने पर, जो, उसे मिस्रियों के सारे ज्ञान में सिखाया गया था, और वे आज की तुलना में महान वैज्ञानिक थे; इसलिए एक वैज्ञानिक होने पर, ऐसा दिखाई दिया जैसे उसने कहा, "अब मैं जाकर देखूंगा कि किस प्रकार का साम–... रसायन उन पत्तियों पर छिड़काव किया गया है, जिससे कि वह पेड़ जलता नहीं।" देखो, अगर वह वैज्ञानिक तरीके से उससे संपर्क करता, तो वह उससे कभी बात नहीं करता।

56 और आज भी ऐसा ही है, जब हम स्कूल और शिक्षा के जरिये से वैज्ञानिक तरीके से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, आप परमेश्वर से लाखो मील चूक जायेंगे। मूसा की तरह संपर्क करे, जूते उतारकर, विनम्रता से, नम्रता से।

57 और, अब, वहां भविष्यवक्ता को आकर्षित करने के लिए चिन्ह था। अब, वहां, उस चिन्ह के पास एक आवाज होनी है। और जब वह आवाज बोली, यदि यह वचन के अनुसार नहीं होगी, तो मैं विश्वास नहीं करता कि भविष्यवक्ता ने इसे सुना होगा। लेकिन ध्यान दे, किस प्रकार से वचन के अनुसार आवाज थी जो चिन्ह के साथ थी, इसने साबित किया कि यह परमेश्वर था, क्योंकि उसने कहा, "मैंने अपने लोगों की कराह सुनी है,

और मैं उस प्रतिज्ञा को याद करता हूं जो मैंने उनसे की थी।" देखो, वो चिन्ह, उसके बाद चिन्ह के पीछे वचन की आवाज होती है।

58 अब यह बिल्कुल वही दिखाता है मैंने अभी क्या बुनियाद को बताया है। यह अवश्य ही परमेश्वर की ओर से एक चिन्ह होना है, और, यदि ऐसा है, तो इसके पीछे एक वचन की आवाज है, उस दिन की प्रतिज्ञा के लिए। ना ही वही पुराना स्कूल; वे रब्बी और इत्यादि स्कूल में से होकर जाते थे, या हर एक चीज, साथ ही साथ, वे याजक और आदि–आदि। लेकिन यह कुछ तो नया है, और यह वचन के अनुसार है, यह एक प्रतिज्ञा है; और एक चिन्ह जो कि भविष्यवक्ता को आकर्षित करे।

59 और फिर, अब उसने कहा, इससे पहले कि वह वहां पर जाए, उसे स्वयं को भविष्यद्वक्ता साबित करने के लिए कुछ करना होगा, देखो, इससे पहले कि वे उसे ग्रहण करें। कहा, "वे यह नहीं कहना चाहेंगे कि प्रभु मुझ पर प्रकट हुआ है।"

60 कहा, "तब, मैं तुम्हें करने के लिए दो चिन्ह दूंगा, और यह लोगों का ध्यान आकर्षित करेगा। और जब लोगों का ध्यान आकर्षित होता है, तब उनसे इन शब्दों को बोलना, 'मैं अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर हूं, और मैं अपनी प्रतिज्ञा को याद करता हूं।' और मैंने तुम्हें उन्हें छुड़ाने के लिए वहां भेजा है, और मैं तुम्हारे साथ रहूँगा।"

61 क्या आपने उसके पहले चिन्ह पर ध्यान दिया? उसके पास उनके सभी प्रकार के नकले थी। हर एक ने सर्प को नीचे फेंकने की कोशिश की। यह... यदि यह लोगों की दौड़ नहीं है, तो मैं नहीं जानता कि क्या है, देखो। देखा? लेकिन इसके पीछे उनके पास किस तरह की आवाज थी? कुछ भी नहीं; संसार के मिस्री की आवाज। फिर भी वे चिन्ह को करके दिखा सकते थे, लेकिन उनके पास इसके पीछे कोई आवाज नहीं थी, कि इसका समर्थन करें। लेकिन मूसा के पास **यहोवा यों कहता है** वाला वचन था। यही अंतर था। नकल करने वाले अंत: आगे एकाकी समय तक चले, लेकिन अंत: यह थककर चूर हो गया।

62 क्या आप जानते हैं बाईबल ने कहा कि अंत के दिनों में फिर से ऐसी बात जगह लेगी? "जैसे यर्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का सामना किया, वैसे ही सत्य के विषय में भ्रष्ट मन वाला मनुष्य भी उसका विरोध करेगा।" सत्य कौन है? यीशु मसीह सत्य है। देखा? "सत्य के विषय में भ्रष्ट मन।"

63 अब यहोवा अपने प्रतिज्ञा किए हुए वचन के द्वारा बोलने जा रहा है। उसे अवश्य ही इस भविष्यवक्ता को तैयार करना है कि नीचे भेजे। क्योंकि, यह हमेशा ही उसके सोचने के क्रम में होता है, उसके करने के क्रम में, हर समय अपने भविष्यवक्ता को वचन के साथ भेजता है, और एक भविष्यवक्ता को प्रमाणित करता है।

64 फिर से, यह एक की गयी प्रतिज्ञा का चिन्ह है। एक भविष्यवक्ता, स्वयं एक चिन्ह है। बाईबल ने ऐसा कहा। जब आप समय को निकलते हुए देखते हैं, और फिर आते हुए देखते हैं... बाईबल के इतिहास को लें, इसका अध्ययन करें। जब भी आपने एक लंबे समय को निकलते हुए देखा है; लेकिन जब आपने एक भविष्यवक्ता को आते हुए देखा, तो यह न्याय का चिन्ह था। परमेश्वर संसार का न्याय करने जा रहा था, जब वह... या राष्ट्र का, या लोगों जब आपने एक भविष्यवक्ता को आते देखा। मैंने इस पर एक उपदेश का प्रचार किया है, आप टेप के लोगों को याद होगा,... *एक सच्चा चिन्ह अनदेखा किया गया।* वे हमेशा ही इसे अनदेखा करते हैं, उन्होंने हमेशा किया है, लेकिन यह आने वाले न्याय का एक चिन्ह था।

65 अब उसका वचन उसकी आवाज में पूरा हुआ है। वह जो प्रतिज्ञा करता है, तब वो उसके वचन को आवाज के द्वारा पूरा करता है।

66 भविष्यवक्ता का आना एक चेतावनी का चिन्ह है कि न्याय निकट है। हमेशा से ऐसा ही रहा है। मुझे केवल एक हवाला देने दो।

67 अन्तिम दिनों में, जलप्रलय से पहले की दुनिया में—में, एक भविष्यवक्ता के रूप में नूह को भविष्यवाणी करते हुए देखिये। यह क्या था? इसके तुरंत बाद वहां पर न्याय हुआ।

68 मूसा मिस्र के अंदर गया, जो एक प्रमाणित भविष्यव्यक्ता था वो भविष्यद्वक्ता के चिन्हों के साथ आया। क्या हुआ? उसके ठीक बाद मिस्र पर न्याय आ गया।

69 एलिय्याह दृश्य पर आया, वो भविष्यव्यक्ता, और आहाब और उस राष्ट्र के लिए भविष्यवाणी की। क्या हुआ? न्याय इसके ठीक बाद में आ गया। सही है।

70 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला एक चिन्ह के रूप में आता है। वह एक भविष्यवक्ता था। वो भविष्यव्यक्ता का चिन्ह था धरती पर आया। वे जानते

थे कि जब वह आएगा तो उसके बाद मसीहा बोलेगा। ऐसा होना ही था, क्योंकि, चुने हुए को लेना—लेना था।

71 इसका उद्देश्य यह है कि जो चुने हुए लोग है उन्हें बाहर लाना हैं, उन्हें इकट्ठा करना है, जैसे नूह के दिनों में हुआ था। जैसे एलिय्याह के—के दिनों में, सात हजार मतलब सात सौ जन, या ये जो कुछ भी था, जिन्होंने अपने घुटने नहीं टेके थे, कि उन्हें बाहर बुलाये। यूहन्ना चुने हुओ को बुलाता है, और इसे मसीह को दे देता है, जब वो आता है, अपनी कलीसिया को बदल देता है, कहा, "अवश्य है कि मैं घंटू, अवश्य है कि वो बढे, क्योंकि," उसने कहा, "मैं बस उसकी एक आवाज हूं, जंगल में पुकारती हुई, 'प्रभु के लिए मार्ग को तैयार करो।'" और यीशु उसी तरह से आया। चुने हुओ को परमेश्वर की आवाज को सुनने के लिए तैयार करता है, यही है जो उस भविष्यवाणी का चिन्ह है। ओह, यदि आप इन संदेशों के पीछे–पीछे चलते हैं, तो तै–... चुने हुओ को तैयार करो। ना ही दूसरो को, वे इसे कभी नहीं सुनेंगे। यह तो चुने हुए है जिसे बुलाया गया है।

72 सदोम में वह दूत कहां से आया, जिसने इस चिन्ह को किया? अब्राहम और उसके झुंड के लिए। "सदोम से दूर ही रहो; यह जलने जा रहा है!" देखा? यीशु ने इसे दोहराने की प्रतिज्ञा की है, आप जानते हैं, फिर से, इस सदोम में। अब ध्यान दें।

73 यह क्या करता है? यह चुने हुओ को परमेश्वर के आश्रय के लिए तैयार करता है, जैसे नूह के समय और इत्यादि में किया।

74 और यह क्या करता है? यह बुद्धिमान अविश्वासी को न्याय के लिए दोषी ठहराता है। ऐसा हमेशा ही होता है। दया को ठुकराने के लिए, न्याय के अलावा कुछ भी नहीं बचता। इसलिए यह उन—उन बुद्धिमान और अविश्वासी लोगों को न्याय के लिए तैयार करता है। क्योंकि, वे क्या करते हैं? वे इसकी निंदा करते हैं।

75 यही वो कारण है कि यहूदियों ने अपना खुद का मांस खाया। यही कारण है कि लहू शहर से बाहर बहने लगा जब टाइटस, वो बड़ा रोमन सेनापति, वहां सवार हुआ, क्योंकि उन्होंने पवित्र आत्मा को अस्वीकार कर दिया था। न्याय को आना ही था क्योंकि उन्होंने इसका मजाक उड़ाया था। यीशु ने उन्हें बताया, जब उन्होंने उसे बालजबुल कहा, तो उसने कहा, "मैं तुम्हें क्षमा करता हूं," प्रायश्चिता को नहीं किया गया था, "लेकिन," कहा, "जब

पवित्र आत्मा उसी काम को करने के लिए आता है, इसके विरोध में बोलने पर इसे कभी भी क्षमा नहीं किया जाएगा।" और उस पीढ़ी को इस बात के लिए कभी भी क्षमा नहीं किया गया था। यह सही बात है।

76 अविश्वासियों के लिए न्याय! इसे वहां उसी उद्देश्य के लिए रखा गया है, ताकि विश्वासी को उजियाला दे, और अविश्वासी को अंधकार। जैसे अग्नि का खंभा था; इसने उजियाले को बनाया, ताकि प्रतिज्ञा के देश को पार करे, और उनके लिए अंधकार को बनाया जिन्होंने विश्वास नहीं किया। परमेश्वर के चिन्ह हमेशा ऐसा ही करते हैं, अविश्वासी की आंखों को बाहर कर देते हैं, और विश्वासी को दृष्टि और चलने के लिए उजियाले को देते है। यही है जिसके लिए इसे भेजा गया है।

77 यदि उसकी भविष्यवाणी सत्य है, यदि भविष्यवक्ता की भविष्यवाणी सत्य है और पूरी होती है, तो यह परमेश्वर की चेतावनी है। अब गिनती 12:6 में, हम उसी चीज को पाते हैं, उस वचन में।

78 बाईबल इन लोगों के द्वारा लिखी गई थी। अब यदि हम दूसरा पतरस 1:21 में पढ़ते हैं, इसने कहा, "प्राचीन मनुष्य, पवित्र आत्मा के द्वारा चलाये चले, बाईबल को लिखा।"

79 इब्रानियों 1:1 में भी, जहां हमने उस रात को बताया था, "परमेश्वर ने भिन्न–भिन्न समयों में और भिन्न–भिन्न प्रकार से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा पूर्वजों से बातें की, इन अंतिम दिनों में यीशु मसीह, उसके पुत्र के द्वारा करता है।"

80 अग्नि का खंभा, वो चिन्ह; वो आवाज... या वो—वो आवाज बोलने जा रही थी। झाड़ी में जो अग्नि का खंभा था, एक ध्यान देने योग्य आवाज थी जिसे परमेश्वर बोलने के लिए तैयार हो रहा था।

81 अब स्पष्ट रूप से ध्यान दें, इस बात से चूकना नहीं। जब मरियम अपने भाई मूसा पर हँसी थी, और मरियम एक भविष्यव्यक्तनी थी, जब वह उस पर हँसी, और परमेश्वर उस अग्नि के स्तंभ में नीचे उतर आया, मूसा जानता था कि परमेश्वर बोलने के लिए तैयार था। यह एक चिन्ह था। और वो आवाज जो उसके पीछे–पीछे आयी, कहा, "क्या तुम परमेश्वर का भय नहीं मानते? " कहा, "इस धरती पर मेरे सेवक मूसा जैसा कोई भी नहीं है।"

82 ऐसा ही किया जब वे उठ खड़े हुए और कहा कि... जब दातान उठ खड़ा हुआ, और जब कोरह, उसके विरोध करने पर, "वहां तुम से बढ़कर पवित्र मनुष्य है। तुम सोचते हो कि झुंड में केवल तुम ही हो।" परमेश्वर ने मूसा को उस काम के लिए नियुक्त किया था!

83 और जब वे चाहते थे कि उनके साथ कोई और झुण्ड जुड़ जाए, और वे अपना एक संगठन बना लें, उसने कहा, "अपने आप को उनसे अलग करो। मैं अब उन्हें दोषी ठहराऊंगा। मैं बस उन्हें भस्म कर दूंगा," और उसने किया। संसार ने उन्हें ले लिया।

84 अब हम देखते हैं कि यह हमेशा ही परमेश्वर का मार्ग रहा है। अग्नि का स्तंभ संकेत करता है कि आवाज बोलने के लिए तैयार है। ओह, टेक्सास, आप कितने अंधे हो सकते हैं? आपको अब भी ह्यूस्टन याद है। अब वहां पर एक आवाज चिन्ह के पीछे–पीछे आती है।

85 मूसा, एक भविष्यवक्ता इस्राएल के लिए चिन्ह, प्रतिज्ञा किया गया वो वचन प्रमाणित होने के लिए तैयार है।

86 परमेश्वर का वचन कितना सिद्ध है, हर समय क्रम में होता है! यहां तक कि ऊरीम तुम्मीम के जैसे, जैसा कि मैंने उस रात्रि इस पर बोला था। ऊरीम तुम्मीम वहां पर था, और जब तक वह चिन्ह उस ऊरीम तुम्मीम पर नहीं आया, आवाज को नहीं पहचाना गया था। वहां पर एक चिन्ह होना है। चिन्ह आवाज को प्रमाणित करता है। और आवाज उस चिन्ह को प्रमाणित करती है, कि यह परमेश्वर की ओर से आता है। चिन्ह की आवाज जो "हां" या "नहीं" बोलती है। यदि परमेश्वर ने इसे अस्वीकार कर देता है, तब आवाज "नहीं" बोलती है। यदि चिन्ह वहां पर था, तो परमेश्वर ने "हां" बोला। परमेश्वर की व्यवस्था कभी नहीं बदली है। हम उस पर घंटों बने रह सकते हैं, लेकिन यह कभी भी नहीं बदला है।

87 देखो, योना वो भविष्यवक्ता, उस चिन्ह की ओर देखो। वो तर्शीश के मार्ग पर था। नीनवे की ओर जाना आरंभ किया, और तर्शीश के ओर एक—एक मार्ग को पकड लिया। बहुतों ने योना को दोषी ठहराया। योना दोषी होने का पात्र नहीं है। वह एक भविष्यवक्ता था। "धर्मी के पद चिन्ह प्रभु की ओर से होते हैं," और वह तर्शीश की ओर अपने मार्ग पर चल पड़ा। और हम मनुष्य को दोषी ठहराने का प्रयास करते हैं, लेकिन यीशु ने नहीं किया।

88 ध्यान दें, उसने कहा, "जैसे योना व्हेल मछली के पेट में था, तीन दिन और रात," इसे एक चिन्ह होना था, "ऐसा ही मनुष्य का पुत्र धरती के ह्रदय में अवश्य ही होना है, तीन दिन और रात। और एक दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी एक चिन्ह के लिए खोजती है, और वहां उन्हें परमेश्वर की ओर से कोई चिन्ह नहीं दिया जाएगा, याद रखना, योना के चिन्ह को छोड़।" योना का चिन्ह क्या है? पुनरुत्थान। और यह वो सदोम की पीढ़ी है, व्यभिचारी, आत्मिक व्यभिचारी, सह–... परमेश्वर के सत्य के विरोध में आत्मिक व्यभिचार करती है, इसका मजाक उड़ाती है। "एक दुष्ट और एक व्यभिचारी पीढ़ी चिन्ह के लिए ढूंढ–ढांढ करेगी, और उन्हें ये मिल जायेगा, यह पुनरुत्थान का चिन्ह होगा।" देखो, योना...

89 वे लोग मूर्तिपूजक थे, और यह एक बड़ा... यह एक व्यवसाय करने वाला नगर था। मछली का बड़ा उद्योग था। उन्होंने सारे देश भर में मछली को भेजा। वे मनुष्य मछुआरे थे। यही उनका पेशा था। और वे मूर्तिपूजक लोग थे, वे पशुओं और मूर्तियों की आराधना करते थे, और बहुत ही दुष्ट बन गये थे।

90 जैसे कि यह राष्ट्र अब, पूरी तरह कामवासना और हॉलीवुड से भरा हुआ है, और हर प्रकार से, यहां तक कि कलीसियाओ के अंदर भी। और ध्यान दें कि क्या बात जगह लेती है। क्यों, कभी–कभी कलीसिया में यौन आकर्षण को भी आधुनिक कहा जाता है। यह राष्ट्र भला इस तरह की चीज के नीचे कैसे टिक सकता है? अपने आप को मसीही कहते है और ऐसे कामों की हरकतों को करते है, यह कैसे टिक सकता है?

91 जैसा कि मेरे अच्छे मित्र, जैक मूर ने वर्षों पहले कहा था, "यदि परमेश्वर इस राष्ट्र को इसी बात के साथ आगे बढ़ने देता है, तो वह बाध्य होगा, न्यायी परमेश्वर के रूप में, कि सदोम और अमोरा को खड़ा करे, और उन्हें जलाने के लिए उनसे क्षमा मांगे।"

92 आप न्याय के लिए बाध्य हैं। इसे स्वीकार करने का कोई और तरीका नहीं है। इसे अपनी बाईबल में लिख लें। मैं एक बूढ़ा मनुष्य होता जा रहा हूं। आप देखे कि क्या यह न्याय की ओर नहीं जा रहा है। यदि मैं एक सामान्य जीवन को जीता हूं, तो मैं इसे सामान्य समय में देखूंगा। कुछ और वर्ष इसे बदल देंगे।

93 योना। वे सब लगभग दोपहर के समय पर मछली पकड़ने जा रहे थे,

और यहां समुद्र का ईश्वर आता है, वो व्हेल मछली, किनारे की ओर दौड़ी और भविष्यव्यक्ता को किनारे पर उगल दिया। क्या ही चिन्ह है!

94 परमेश्वर ने अपने भविष्यव्यक्ता को एक संदेश के साथ पहुंचा दिया। अब उन्होंने चिन्ह को देखा, वे चिन्ह का विश्वास करे, अब संदेश क्या है? "पश्चाताप करो!" यही चिन्ह की आवाज है। चिन्ह की आवाज है, "पश्चाताप करो, या तो चालीस दिनों के अंदर तुम नष्ट हो जाओगे।" वे पश्चाताप करने के लिए पर्याप्त जानते थे।

95 यीशु ने कहा, "वे इस पीढ़ी को दोषी ठहराएंगे, क्योंकि उन्होंने योना के प्रचार करने पर पश्चाताप किया; योना से भी बढकर यहां पर है।"

96 वो आवाज थी, "पश्चाताप करो, या चालीस दिनों में तुम नष्ट हो जाओगे।"

97 यूहन्ना भविष्यवक्ता, प्रगट हो रहा है, एक भविष्यवक्ता–प्रगट होने का चिन्ह, चार सौ वर्षों के बाद कोई भी भविष्यद्वक्ता नहीं था। उनके पास सारे बुद्धिमान लोग थे। मैं बस कल्पना कर सकता हूं कि उनके पास क्या ही गड़बड़ी थी! चार सौ वर्ष, कोई भविष्यवक्ता नहीं, लेकिन समय नजदीक आ गया कि मसीहा को आना था। अब, यूहन्ना एक चिन्ह था, एक भविष्यवक्ता होने के नाते, कि मसीहा बोलने के लिए तैयार था, जो उस चिन्ह की आवाज थी; क्योंकि, मलाकी 3 में, हम पाते हैं, "मैं अपने संदेशवाहक को अपने आगे–आगे भेजूंगा।" एलिय्याह को उसके सामने आना था, और एलिय्याह आया। यूहन्ना, एलिय्याह की आत्मा और सामर्थ में, उसने आकर और बिल्कुल ठीक वही किया जो वचन ने कहा, और वे इसे नहीं समझ सके। वचन ऐसा कहता है। वो एक चिन्ह था, एक भविष्यवक्ता का चिन्ह, कि मसीहा बोलने जा रहा है।

98 वह भविष्यवक्ता, इसे अच्छी तरह से जानते हुए, इतना तक कि उसने कहा, "क्यों, वहां ठीक अभी तुम्हारे बीच में एक खड़ा हुआ है। वो मसीहा जिसके विषय में मैं बोल रहा हूं, जो तुम्हारे बीच में है। मैं उसके जूतो को उतारने के योग्य नहीं हूं। वही वो एक है जो पवित्र आत्मा और अग्नि से बपतिस्मा देगा। मैं पश्चाताप के निमित पानी से बपतिस्मा दे रहा हूं, लेकिन वह मेरे बाद आएगा। वह अब तुम्हारे बीच में है।"

99 एक दिन उसने एक युवा पुरुष को आते हुए देखा, जो वहां चल कर आ रहा था। उसने उस अग्नि के स्तंभ को देखा, एक पिंडुकी के रूप में,

आकाश से नीचे आता है; एक आवाज, कह रही है, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस के अंदर मैं रहने के लिए प्रसन्न हूं।" कहती है, "जिसमें वास करने से मैं प्रसन्न हूं," यह क्रिया विशेषण से पहले की क्रिया है, इसलिए यह बिल्कुल एक ही बात है। "जिनमें मैं वास करने से प्रसन्न हूं," या, "जिनमें मैं रहने के लिए प्रसन्न हूं," कोई फर्क नहीं पड़ता। ध्यान दें, "मैं उसमें रहने के लिए प्रसन्न हूं।"

100 यूहन्ना ने कहा, "मैं गवाही देता हूं कि उसने मुझे जंगल में बताया," ना ही धर्म विद्यालय में, "जंगल में कहा, 'जिस पर तुम आत्मा को नीचे उतरते और उस पर ठहरते हुए देखो,' आमीन, 'वही वो एक है जो पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।' और मैं गवाही देता हूं कि यह सत्य है।"

101 यह क्या था? वह भविष्यव्यक्ता एक चिन्ह था कि मसीह बोलने के लिए तैयार था।

102 मसीहा क्या था? मसीहा सम्पूर्ण वचन था। वह परमेश्वर की परिपूर्णता था। भविष्यव्यक्ता एक छोटा सा टिमटिमाता हुआ उजियाला था। लेकिन उसमें वो सारा उजियाला था, जो इस मसीहा में था, क्योंकि वह प्रगटीकरण में आया परमेश्वर था, इम्मेनुएल बना, परमेश्वर मनुष्य देह में हमारे बीच में था।

103 मसीह बोलने के लिए तैयार था। और ध्यान दें, बाईबल कहती है, कि, "प्रभु का वचन भविष्यव्यक्ता के पास आता है।"

104 अब यहां यूहन्ना खड़ा था, जिसे यीशु ने कहा, "वह अब तक का सबसे महान भविष्यव्यक्ता था।" यीशु ने ऐसा कहा, मत्ती के 11वें अध्याय में, "तुम क्या देखने के लिए निकले थे, एक मनुष्य को हर एक हवा के झोंखे से हिल गया, *यह* संप्रदाय कहता है, 'मैं तुम्हें और ज्यादा दूंगा; तुम *ऐसा* करो'? ... .ना ही यूहन्ना! नहीं, नहीं। एक मनुष्य जिसे धक्का दिया जा सकता है, झांसा दिया जा सकता है? नहीं, वह एक कच्चा, कठोर भविष्यवक्ता था। क्या तुम एक मनुष्य को देखने गए थे, जो पूरी तरह से याजकपद के वस्त्र पहने हुए था?" और उसने कहा, "नहीं, वे राजाओं के महलों में रहते हैं। वे जवानो का विवाह करते हैं, बालकों को चूमते हैं, और बुढो को दफनाते हैं। वे इसी प्रकार से है। वे दो धारी तलवार के विषय में कुछ नहीं जानते। तो तुम वहां पर क्या देखने गए थे, एक भविष्यव्यक्ता को?" उसने कहा,

"एक भविष्यव्यक्ता से भी बढ़कर!" निसन्देह, वह वाचा का सन्देशवाहक था, परमेश्वर के द्वारा उसे भेजने की प्रतिज्ञा की गयी थी।

105 और यहाँ ध्यान दें, यूहन्ना पानी में खड़ा हुआ, बपतिस्मा दे रहा है, कह रहा था, "वो आ रहा है।"

106 और यहां वचन है, ना ही अब और स्वर्ग में, लेकिन देहधारी हुआ। वचन देहधारी है, तब यह क्या होता है? परमेश्वर के वचन की व्यवस्था क्या है? वचन भविष्यवक्ता के पास आया, ठीक वहां जंगल में, ठीक वहां तालाब में। वचन भविष्यव्यक्ता के पास आया।

107 यूहन्ना ने ऊपर की ओर देखा, और उसने कहा, "मुझे तुमसे बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है।"

108 और मेरे प्रिय, पुराने भाई, डॉक्टर डेविस, मिशनरी बैपटिस्ट कलीसिया से है, जिसने मुझे मसीही विश्वास में बपतिस्मा दिया, यदि वह आज रात्रि यहां पर है, तो मेरा अर्थ उसकी भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है। क्योंकि, वह यहाँ टेक्सास में रहता है, जो यहाँ डेविस के पहाड़ो से है। लेकिन मुझे याद है कि एक दिन हम वाद–विवाद कर रहे थे, और मैं बस एक लड़का ही था। और मैंने कहा, "डॉक्टर डेविस, यह सही नहीं दिखाई पड़ता।"

109 उसने कहा, "क्या हुआ, कि तब यीशु ने यूहन्ना को बपतिस्मा दिया, और उसके बाद यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, क्योंकि यूहन्ना ने बपतिस्मा नहीं लिया था।" यह मुझे सही नहीं लगा।

110 मैं प्रतीक्षा करता रहा, देखता रहा, सोचता रहा। मैं इसके विषय में कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन एक दिन जब प्रभु ने इसे प्रकट किया।

111 अब देखिए यीशु ने क्या कहा। यूहन्ना ने कहा, "मुझे तुझसे बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है, और तू मेरे पास बपतिस्मा के लिए क्यों आता है? "

112 यीशु ने कहा, "ऐसा ही होने दो, क्योंकि यह हमारे लिए ऐसा ही होना है ताकि सारी धार्मिकता को पूरा करें।"

113 यूहन्ना जानता था कि वह कौन था। वहां संसार के दो नेतृत्व करने वाले है, कलीसिया के दो नेतृत्व करने वाले है, परमेश्वर और उसका भविष्यव्यक्ता, एक साथ खड़े हुए हैं। अब, देखो, उन्हें जानना चाहिए।

114 यीशु ने कहा, "ऐसा ही होने दो, यह सही है, लेकिन इसी प्रकार से यह हमारे लिए होता है कि हम सारी धार्मिकता को पूरा करें, प्रतिज्ञा किया हुआ वचन।"

115 बलिदान को चढाने से पहले धोया जाना था। यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया क्योंकि वह बलिदान था। देखा? बलिदान को चढ़ाने से पहले धोया जाना था। ठीक वहां पर चलकर गया, और बलिदान को धोया गया था, और फिर सीधा उसे चढ़ाया गया। उसने कहा, "यही वो परमेश्वर का मेम्ना है।"

116 वह सीधे किनारे पर चला गया, और यहां परमेश्वर का आत्मा आता है उस पर उतरता है, कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है।" देखो, उसे तब लोगों के सामने प्रस्तुत किया गया था। लेकिन इससे पहले बलिदान को प्रस्तुत किया जा सके, इसे पहले धोया जाना था; यही पुराने नियम की व्यवस्था है। तो ठीक है।

117 मसीहा बोलने के लिए तैयार हो रहा था, क्योंकि यहां भविष्यवक्ता का चिन्ह था। और जब उन्होंने उस भविष्यवक्ता को दृश्य पर आते देखा, उन सारे चार सौ वर्षों के बाद बिना किसी भविष्यवक्ता के थे, वे जानते थे, अगली आवाज मसीहा की थी।

118 अब आप बाईबल के पढने वाले कुछ देर के लिए गहराई से सोचना चाहिए। उसके स्वभाव को देखते हुए, वे उससे कैसे चूक गये? वे कैसे चूक गए यह जानते हुए कि यूहन्ना, यह वही था? उसके स्वभाव को पहचाना गया था, उसकी आत्मा और स्वभाव की पहचान एलिय्याह के रूप में हुई थी। अब ध्यान दें कि कौन सी आत्मा है। अब, वह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला था, लेकिन एलिय्याह की आत्मा जो उस पर थी।

119 ध्यान दें, सबसे पहले, एलिय्याह एक मनुष्य था जो जंगल से प्रेम करता था। देखा? और यूहन्ना जंगल में एक मनुष्य था।

120 और एलिय्याह एक मनुष्य था जिसने उस दिन में उस संगठनात्मक व्यवस्था को दोषी ठहराया, पुरे जोर से। वैसे ही यूहन्ना ने किया, "हे सांप के बच्चों। तुम्हें किस ने चेतावनी दी, कि आने वाले क्रोध से भागो? तुम यह कहना आरंभ नहीं करना, 'मेरे पास *यह, वह*, या *आदि* है।' परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान को खड़ा कर सकता है।" दो स्वाभाव को देखा?

121 और एलिय्याह की ओर देखें, उसने उन सभी रंगे हुए चेहरे वाले ईजाबेलो को दोषी ठहराया, जो उसके दिन की थी, वे अनैतिक स्त्रियां थी। यूहन्ना ने क्या किया? उसी चीज को किया, हेरोदियास के लिए। वे दोनों, उनकी मृत्यु का कारण थे।

122 एलिय्याह की ओर देखे, उसके द्वारा उस महान कार्य को करने के बाद, वह चिडचिडा हो जाता, वहीं पे लेटा रहता और परमेश्वर से प्रार्थना करता कि उसे उठा ले। यूहन्ना ने वैसा ही किया, इतना तक कि वहां लेटा हुआ था और अपने चेलो को वहां पर भेजा, कहा, "जाकर उससे पूछो। क्या वही वो एक है या हम किसी और के लिए देखे? " यीशु यह जानता था।

123 वह एलिय्याह था। उसका स्वभाव ऐसा ही होना था। वह बिल्कुल ठीक वैसा ही पहचाना गया जैसा एलिय्याह पहचाना गया था। वह एलिय्याह की आत्मा में था।

124 इसे पांच बार आना है, इस आत्मा को, कि उपयोग किया जाये: एलिय्याह, एलीशा, यूहन्ना, मलाकी 4, और उसके बाद यहूदियों के लिए। अंतिम दिनों में, हम आज रात, एलिय्याह की आत्मा में हैं। अब ध्यान दें।

125 आज, मैं चाहता हूं कि आप आज हमारे आधुनिक आहाब भविष्यवक्ताओं को देखें, उनकी ईजाबेलो को उनके बाल काटने देते है, उनके चेहरे को रंगने देते है, छोटे कपड़े पहनने देते है, सिगरेट पीने देते है, कुछ भी करने देते है कहते है, "इसमें कोई बात नहीं।" आज के हमारे—हमारे आहाब भविष्यव्यक्ता उसके धर्म विद्यालयों के अनुसार जाते हैं, निश्चय ही, मनुष्य के बनाए हुए मत–सिद्धांत और संप्रदायों के द्वारा उनकी अगुवाई करते है। यह क्या है? आहाब नबी।

126 हमें दृश्य पर एक और मीकायाह के उभरने की आवश्यकता है। या आहाब के समय में, एलिय्याह दृश्य पर आया। यही है, जिसने प्रतिज्ञा की है।

127 उनकी अगुवाई करते हुए, कहीं भी वे जाना चाहते हैं। यदि वे नहीं जाते हैं, तो उनके साथ यहाँ कहीं तो दुर्व्यवहार किया जाता है वे वहां जाकर और *इस* में जुड़ जायेंगे और फिर भी उनके—उनके—उनके मसीही पेशे को बनाए रखेंगे।

128 तो, वे आरंभ में कभी भी बचाए नहीं गए थे। उनका वही स्वभाव ही इसे साबित करता है। क्या आप कांटे के पेड़ से अंगूर निकाल सकते हैं? क्या आप कद्दू की दाखलता से तरबूज को पा सकते हैं? वही स्वाभाव दिखाता है कि वे वचन के साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहते हैं। वे इसका मजाक उड़ाते हैं, और इसकी निंदा करते हैं। जब ये लिखा होता है, "**यहोवा यों कहता है**, ये चीजें घटित होनी है," और वे इस पर हंसते हैं, इसका मजाक उड़ाते हैं।

129 कोई आश्चर्य नहीं यीशु ने कहा, "दक्षिण की रानी इस पीढ़ी के साथ अंत के दिनों में उठ खड़ी होगी, और इसे दोषी ठहराती है; क्योंकि वह पृथ्वी की छोर से आई है, कि मनुष्य को बुद्धि के दान के साथ देखे।" उसने कहा, "सुलेमान से भी बढकर यहाँ एक है।" निश्चय ही। सुलैमान का दिन, महान दिनों में से एक था। सभी लोगों ने इस दान पर विश्वास किया जो परमेश्वर ने उन्हें दिया था, यह सुलेमान, और उसकी—उसकी प्रसिद्धि हर जगह फैल गई। क्या हो यदि इस दिन के लोग हम...

130 और हम अमेरीका के लोग, हम हमेशा ही साम्यवाद के विरोध में कोई न कोई योग्य ढूंढने का यत्न करते हैं। *यहाँ* परमेश्वर की योजना है, "पश्चाताप करो! परमेश्वर की ओर फिरो!" कोई योजना? यदि वे ऐसा करते, तो हम साम्यवाद को भूल जाते।

131 जब सारे इस्राएल ने उस दान पर विश्वास किया जिसे परमेश्वर ने उन्हें दिया था। यदि अमेरिका बस देता... उस दान पर विश्वास करें जो परमेश्वर ने हमें दिया है, इस अंतिम दिनों में, उसका पुत्र, पवित्र आत्मा के रूप में, जो मरे हुओं में से जी उठा, उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार हमारे बीच में रह रहा हैं। यदि हम केवल उसी का ध्यान रखते हैं!

132 यह केवल चुने हुओ के पास ही जायेगा। "क्योंकि कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे ना खींच ले। और वे सारे जिसे पिता ने मुझे दिए हैं, वे आयेंगे।" केवल बीज को बोना है; यह गिरता है, कुछ *इस* ओर और *उस* उस ओर, लेकिन जो भी हो वहां बीज को बोना है। यह जहां कहीं भी यह होगा अपनी जड़ों को पकड़ लेगा। वे इसे पकड़ लेंगे।

133 ध्यान दें, यहां पर वे थे, और हम पाते हैं कि उस दिन में, आहाब के समय, राष्ट्र ने उन इस्राएलियों को किसी भी प्रकार की चीजों को करने के

लिए बताया जो भी वे करना चाहते थे, और फिर भी इस्राएली होने का दावा कर रहे थे।

134 किस तरह से उस एलिय्याह ने उस पीढ़ी को दोषी ठहराया, उस सब के साथ जो उसमें था, और परमेश्वर उसे प्रमाणित कर रहा था। और वह एक भविष्यवक्ता था।

135 ठीक आगमन से पहले, वैसे ही यूहन्ना ने किया! सीधे इस्राएल में चलकर गया... उसने इस स्त्री से—से हीरो–... हेरोदेस से विवाह किया था, जो उसके भाई फिलिपुस की पत्नी थी। ठीक उसके सामने चलकर गया; उसने कोई घूंसा नहीं मारा। वो डरा नहीं था कि कोई प्रेस्बिटेर या पुरोहित उसे बाहर निकाल देगा। उसके पास कोई संगति का कार्ड नहीं था; उसकी संगति केवल परमेश्वर के साथ थी। वह उसका भविष्यव्यक्ता था। वचन उसके साथ था। उसे किसी बिशप या डिकन से पूछने की आवश्यकता नहीं थी। वह अभिषिक्त था। उसके पास वचन था। वह सीधे उसके सामने चलकर गया, और कहा, "तुम्हारे लिए उस स्त्री को रखना उचित नहीं है!" सही है। उसने किसी को भी घूंसा नहीं मारा।

वे दुष्ट स्त्रियां व्यभिचार कर रही है, करती ही जा रही है!

136 जैसे आमोस, जब वह दृश्य पर आया, उसने वहां पर देखा। हम यहां तक ये भी नहीं जानते कि वह कहां से आया। ओह, उसने अवश्य ही सामरिया के उस शहर को किस तरह से देखा होगा! जैसे कि पर्यटकों ने किया, सारा सुंदर, और वे प्रचारक जो उन—उन सारे राष्ट्रों के साथ सामंजस्य या तालमेल में थे, और संघटन और हर एक के साथ मेल में थे, और अब भी पाप में जी रहे थे! उसकी आंखें सिकुड़ी हुई थी, उसका गंजा सिर चमक रहा था, और इस प्रकार वह नीचे आया। उसने नहीं... ऐसा कुछ खास नही था कि उसकी ओर देखे, लेकिन उसके पास **यहोवा यों कहता है** वाला वचन था।

137 हमें आज दृश्य पर एक आमोस की आवश्यकता है। क्या हम उसे ग्रहण करेंगे? निश्चय ही नहीं, उससे अधिक नहीं जो उसने किया। वह दृश्य पर आएगा, वह हर संस्था को, हर संप्रदाय को ध्वस्त कर देगा, हर एक छोटे कपड़े पहनने वाली स्त्री को, हर एक कटे बालों वाली इजाबेल को। वो उनके टुकड़े–टुकड़े करके ध्वस्त कर देगा। वे उसे सड़क पर लात मारकर, और कहते, "यह पुराना कट्टरपंथी!" लेकिन उसके पास **यहोवा यों कहता है**

वाला वचन है, क्योंकि यह बस इसी तरह से लिखा गया है। संप्रदाय उसे ग्रहण करेंगे? नहीं।

138 उसके पास उसके कार्यक्रम को प्रायोजित करने के लिए कोई नहीं था। क्या यह बड़ा, वासना का—का अच्छा शहर, जैसे सामरिया था, क्या वे इस छोटे से अज्ञात व्यक्ति को बिना किसी संगति कार्ड के ग्रहण करेंगे, उसे प्रायोजित करने वाला कोई नहीं, या कुछ भी नही था? उसके पास कोई प्रायोजक नहीं था। उसके पास कोई संगति कार्ड नहीं था, ऐसा कोई विद्यालय नहीं था, जहां से वह आया था। लेकिन उसके पास **यहोवा यों कहता है** था। और उसका आगमन, एक भविष्यव्यक्ता के नाई, एक चिन्ह था। उसकी आवाज परमेश्वर की ओर से थी, और इसे दूसरे यारोबाम के दिनों में पहचाना गया था। उसने जो कुछ भी कहा वह पूरा हुआ।

139 अब हम पाते हैं, इस दिन में जिसमें हम रह रहे हैं, यह बस फिर से उसी का दोहराता है। सेवक और लोग, प्रचार मंच पर खड़े होने में लज्जित होते हैं, और वो—वो सुसमाचार उनके लिए भोजन का साधन बन जाता है। वे कुछ भी कहने से डरते हैं, कोई मनुष्य उन्हें *इसमें* से *उसमें* से या *कुछ* और में बाहर निकाल देगा।

140 वहां केवल एक ही मनुष्य है जो आपको स्वर्ग से बाहर कर सकता है, वह परमेश्वर है। और आप भला कैसे स्वर्ग से बाहर निकाले जायेंगे, जबकि आप उसके वचन के साथ बने रहते है? यही है जिसके लिए उसने आपको भेजा है।

141 याद रखें, बाईबल ने कहा, ऐसे समय में जैसा कि यह एलिय्याह के दिनों में था, ऐसे दिन में जैसा कि यह यूहन्ना के दिनों में था, कि मलाकी 4 फिर से धरती पर वापस आयेगा। "मैं एलिय्याह को भेजूंगा।"

142 अब इसे मलाकी 3 के साथ मत मिला देना, "मैं अपने संदेशवाहक को अपने आगे–आगे भेजता हूं।" वो भी एलिय्याह था।

143 लेकिन मलाकी 4 में, उसने कहा, "प्रभु के उस बड़े और भयानक दिन के आने से ठीक पहले, जब सारी पृथ्वी भट्टी की नाई जल उठेगी, और धर्मी जन दुष्टों की राख पर चलेंगे," यही सह–शताब्दी है, "मैं एलिय्याह नबी को भेजूंगा।" और वह क्या करेगा? "वह बालकों के विश्वास को प्रेरित पिताओ की ओर वापस लौटाएगा," वापस वचन की ओर। उसे एक भविष्यवक्ता बनना होगा। "मैं उसे भेजूंगा।" उसे पूरी तरह से पहचाना जाएगा। उसका

स्वभाव वैसा ही होगा जैसा एलिय्याह का था, बिल्कुल वैसा ही। उसका संदेश ठीक उसी क्रम पर होगा। वह दोषी ठहराएगा, ध्वस्त करेगा। ना कोई संगति, ना कोई सहयोग, नही कुछ भी नहीं, लेकिन उसके पास **यहोवा यों कहता है** वाला वचन होगा।

144 अब, याद रखें, वहां हर प्रकार के झुंड खड़े होते हैं और कहते हैं, "*यह* एलिय्याह का वस्त्र है, और *यह* एलिय्याह की शिक्षा है।" सारा झुण्ड, एक संगठन, एलिय्याह के झुण्ड में बदल जाता है, या एलिय्याह का वस्त्र। यह वचन नहीं है। परमेश्वर ने कभी भी इस तरह के झुण्ड के साथ व्यवहार नहीं किया।

145 जब एलिय्याह दृश्य पर आया, और यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, उन दोनों ने झुण्ड और संगठन को दोषी ठहराया। उन्होंने कभी नहीं किया। वह उन्हें दोषी ठहराता है, जिस तरह से उन्होंने किया; एलिय्याह और यूहन्ना, दोनों ही। ना ही एक झुण्ड या संप्रदाय। लेकिन दोनों ने, दोनों अपने–अपने समय में, उन्होंने झुण्डों और संगठनाओ को दोषी ठहराया।

146 तब क्या? अंत समय का चिन्ह निश्चय ही अंत समय की आवाज के साथ–साथ आएगा। एलिय्याह को दृश्य पर आना चाहिए, एक मनुष्य जो उस आत्मा से अभिषिक्त है; एक जंगल में रहने वाला, और आदि–आदि, और जंगल का प्रेमी, और एक प्रमाणित होने के लिए दृश्य पर आया। अब देखो कि वचन अब क्या कहता है, और तब आप भरमाये नहीं जायेंगे, देखो, अंत समय का चिन्ह और अंत समय की आवाज।

147 परमेश्वर ने कभी भी एक झुंड के साथ व्यवहार नहीं किया, वचन में कहीं भी नहीं। वह तो एक व्यक्तिगत के साथ व्यवहार करता है, क्योंकि हर एक मनुष्य दूसरे मनुष्य से भिन्न है। हर एक मनुष्य, हमारे अंगूठे अलग–अलग होते हैं, हमारी नाक अलग–अलग होती है, हमारे कार्य अलग–अलग होते हैं। वो एक मनुष्य को लेता है, वह उसे सिद्ध रूप में सामंजस्य या तालमेल में ला सकता है, जब तक कि वो मनुष्य वचन नहीं बन जाता।

148 यही कारण है कि पौलुस, उसने कहा, "जब तक मैं प्रकाशन की बहुतायत से फूल न जाऊं, मुझे शैतान का एक दूत दिया गया था।" देखा? मत्ती ने लिखा, लूका ने लिखा, मरकुस ने लिखा, उन सभी ने, लेकिन, उन्होंने केवल यीशु का अनुकरण किया और जो उसने कहा वही लिखा। लेकिन पौलुस के पास प्रकाशन था कि वो कौन था, देखो, यही वो चीज

है जो उसने—उसने देखी। उसका प्रकाशन इतना महान था, उसने उसे पुराने नियम के मूसा की तरह बाईबल लिखने की अनुमति दी। वह महान व्यक्ति था, पौलुस, वह प्रकाशन जो उसके पास था, वह जानता था कि नए नियम का यीशु ही पुराने नियम का यहोवा था। उसके पास इसका प्रकाशन था, और इसे इब्रानियों को लिख सकता था... और रोमियों के लिए—के लिए भी, और इफिसियों को, और—और सभी को। उसने—उसने इन पत्रियों को लिखा। ध्यान दें, उसके चिन्ह के आगे जाने के बाद, तब उसने पत्रियां लिखी।

149 इसके आने का यह स्वभाव वैसा ही होगा। यह कोई झुंड नहीं होगा। यह तो एक मनुष्य होगा। परमेश्वर ने कभी भी एक मनुष्य के सिवाये किसी और तरीके से व्यवहार नहीं किया। अब, एलिय्याह एक झुण्ड नहीं था, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला एक झुण्ड नहीं था, वे एक व्यक्तिगत थे। परमेश्वर, मलाकी 4 में, ऐसा नहीं कहता है, "मैं एक झुण्ड को भेजूंगा।" कहा, "मैं एलिय्याह को भेजूंगा!" वचन को बदला नहीं जा सकता।

150 अब, ध्यान दें, अंत समय का चिन्ह और आवाज वचन के क्रम में ही आयेंगे जैसा कि इसकी प्रतिज्ञा की गई थी।

151 हम जानना चाहते हैं कि अंत का चिन्ह क्या होगा? यीशु ने हमें मत्ती 24 और 25 में बताया। हमें प्रकाशितवाक्य में भी बताया, 6वें से लेकर... या 1ले लेकर 10वें अध्याय तक बताया गया है। इसके बाद वो 19वें अध्याय में आता है, सह–शताब्दी उसके आगमन पर आती है, एक सफेद घोडे पर सवार होते हुए।

152 यह आएगा, अंत समय का चिन्ह, अब सुनना, बंद करते हुए, यह बिल्कुल ठीक वैसे ही आएगा जैसे वचन कहता है। अब चिन्ह की आवाज पर ध्यान दें।

153 अब, यीशु ने लूका 17:30 में, अंत समय के चिन्ह की प्रतिज्ञा की है। अन्तिम चिन्ह, परमेश्वर मनुष्य की देह में प्रगट हुआ था, जो सारा के मन में चल रहे विचारों को समझ सकता था, जो उसके पीछे तम्बू में थी। यही है जो उसने कहा। यही वो चिन्ह है जिसकी उसने अंत समय पर प्रतिज्ञा की है। जु–... उसने जो कहा इसे करेगा? "उसे उन दिनों में जाना जाएगा, अंतिम दिनों में, जब मनुष्य का पुत्र प्रकट होगा।" प्रकट होगा! जब मनुष्य का पुत्र प्रकट होता है, तो यही वो चिन्ह होगा, जिसके द्वारा वह प्रकट

होगा। अब देखिए क्या यह ऐसा नहीं कहता है। निश्चय ही कहता है।

154 अब क्या आप यह कह सकते हैं, "नहीं, यह कुछ तो और होगा। नहीं, यह एक बड़े भवन का, एक बड़ा *इसका*, या *इसका*, या कोई बड़े सार्वजानिक परिषद का, या कुछ निर्माण करेगा"? ओह, नहीं। नहीं, यह बहुत दूर की बात है। यह दूसरी तरफ है। यह उस बात के विरुद्ध है जो परमेश्वर ने कहा था, कि वह करेगा।

155 ध्यान दे अभी हमने जो कहा। वचन बिल्कुल ठीक वैसा ही होगा, क्योंकि हमारे पास स्वाभाविक में सदोम का चिन्ह है। जब कोई और अधिक समलैंगिक, विकृत और इत्यादि थे, जैसा कि अब है, "एक दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी," जबकि आप यहाँ तक अपने टेलीविजन को भी चालू नहीं कर सकते हैं, जब तक कि वहां किसी प्रकार की गंदी, अश्लील हॉलीवुड की चीजें न हों? और लोग, अपने आप को मसीही कहते हैं, ऐसी चीजों को देखने के लिए बजाये प्रार्थना सभा के घर पर ही रहते है। यह दिखाता है कि आपके अंदर कौन सी आत्मा है। सही है। और स्त्रियां उन लोगो के जैसे ही कपड़े पहनेगी, और पुरुष उन्हें उनके ऊपर अधिकार करने देते है जैसे वे वहां करती हैं। क्या हम हॉलीवुड को अपना उदाहरण बनाने जा रहे हैं, या हम इसके विषय में परमेश्वर के वचन पर विश्वास करेंगे?

156 वही झुंड परमेश्वर के वचन को प्रमाणित होते हुए देख सकता है, और वे क्या करते हैं? इस पर हंसते है। क्योंकि, वे मरे हुए हैं, अनंतता के लिए मरे हुए हैं। वे कभी भी जीवित नहीं थे। यदि वे कभी जीवित होते थे, तो वे हमेशा ही जीवित रहेंगे, अनंतता के लिए। लेकिन वे कभी भी जीवित नहीं थे। वे हमेशा ही मरे हुए थे। ओह, वे चमकाये हुए हो सकते हैं, और *इस* पर, *उस* पर, या *कुछ* और विश्वास कर सकते हैं।

157 यीशु ने कहा, "तुम ढोंगी हो," उनके लिए कहा, उस दिन के उन याजको को। "तुम बुरे होकर क्योंकर अच्छी बातें कह सकते हो क्योंकि जो मन में भरा है, वही मुंह पर आता है? मुझे अच्छा कहते हो, 'अच्छे रब्बी, अच्छे गुरु'? " वह जानता था कि उनके हृदय में क्या था। वह समझ सकता था कि उनके हृदय में क्या था। वह वचन था।

158 बाईबल ने कहा, "परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार से भी तेज है, और हृदय के विचारों को जांचता है।"

159 अब, सदोम का चिन्ह स्वाभाविक रूप में लौट आया है। और यदि हर एक चीज बिल्कुल ठीक उसी तरह से व्यवस्थित हो रही है जिस तरह से इसे स्वाभाविक रूप में होना चाहिए, तो फिर आप इसे अपने मन से कैसे निकाल सकते हैं, कि आत्मिक रूप से उसी समय पर यहाँ नहीं है? दोनों स्थितियां दृश्य में हैं। जी हाँ, हर कोई सहमत होता है, स्वाभाविक सही है; लेकिन, ओह, आत्मिक में, वे इसका विश्वास नहीं करना चाहते, क्योंकि यह उनके सिद्धांत के साथ हस्तक्षेप देता है।

160 लूका 17 ये चिन्ह है। लूका 17 वह चिन्ह है जिसके विषय में यीशु ने कहा था, कि, अन्तिम दिनों में, वे राष्ट्र और कलीसियाये और लोग वैसे ही होंगे जैसे यह सादोम में थे, अन्यजाति संसार था, सादोम के जलने से ठीक पहले। और वहां एक झुण्ड होगा, देख रहा होगा, जैसे अब्राहम देख रहा था। पीछे जाये, जब यीशु ने कहा, "जैसा कि सदोम के दिनों में था," पीछे जाकर और देखो कि यह सदोम में कैसा था। उसने वही बाईबल पढ़ी जो हम पढ़ते हैं, वही बाईबल, अब पीछे जाकर और देखो कि यह कैसी थी।

161 यहाँ एक चुना हुआ झुण्ड था, जिसे बुलाया गया था, अब्राहम का झुण्ड, वे एक प्रतिज्ञा किये हुए पुत्र के लिए देख रहे थे। सदोमियों ने इस विषय में कुछ भी विश्वास नहीं किया। और वहां वे गुनगुने थे, कलीसिया के सदस्य जो वहां नीचे सादोम में थे। उन तीन दूतो की ओर देखो, उनमें से हर एक के पास आते हुए, देखो कि उन्होंने कौन से चिन्ह दिखाए, तब आप देखेंगे कि हम किन चिन्हों में जी रहे हैं।

162 अब, यह वो चिन्ह होगा। और चिन्ह की आवाज मलाकी 4 होगी, "ताकि लोगों को पूर्वजों के प्रेरितो के विश्वास की ओर वापस लौटाए।" वहां वो चिन्ह है, वहां वो आवाज है, बिल्कुल ठीक वचन के अनुसार। देखा? ये चिन्ह ही वो चिन्ह है जो कि सदोम में था, परमेश्वर मानव अस्तिव में प्रकट हुआ।

और उसने कहा, "तेरी पत्नी साराह कहां पर है? "

कहा, "वह आपके पीछे जो तंबू है, उसमें है।"

163 कहा, "मैं उस समय के अनुसार तुमसे भेंट करूंगा, जिसकी मैंने तुमसे प्रतिज्ञा की है।" और उसने कहा...

164 और साराह, पीछे, जो उसके पीछे थी, कहा, "यह भला कैसे हो सकता है, मैं एक बूढ़ी स्त्री हूं, वो एक बूढ़ा पुरुष है? और जैसा कि मेरा पति वहां तंबू के बाहर था, एक बूढ़ा पुरुष," कहा, "हमारे साथ ऐसा कुछ भी नहीं है।" कहा, "यह बस नहीं हो सकता।"

165 उसने कहा, "साराह ने ऐसा सन्देह क्यों किया, वो अपने ह्रदय में कह रही थी, 'ये बातें भला कैसे हो सकती है?'"

166 और यीशु ने कहा कि ऐसा फिर से वापस होगा। अब, याद रखें, अब्राहम ने उस मनुष्य को, "एलोहिम," परमेश्वर कहा। परमेश्वर उसे ऐसा होना ही था। क्यों? वह विचारों को जाँच सकता था, और वह बिल्कुल ठीक समय पर था। और एलोहीम, पवित्र आत्मा, (ना ही कोई दूसरा व्यक्ति) वही व्यक्ति कलीसिया में वापस लौट रहा है और वो उसी चीज को करेगा, यही वो चिन्ह होगा। और वो आवाज होगी, "उन्हें वचन में वापस बुलाओ, बच्चों के विश्वास को पूर्व–पिताओ की ओर वापस लौटाओ।" वहां पर वो चिन्ह और आवाज है।

167 चिन्ह आमतौर पर स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन आवाज को नहीं किया जाता है। वे आवाज को पसंद नहीं करते हैं, लेकिन वे चिन्ह को लेंगे। आम तौर पर, वे इसे ले लेंगे। वे चिन्ह को पसंद करते हैं, क्योंकि वे इसकी ओर देखना पसंद करते हैं, उनका मनोरंजन होता हैं। लेकिन, वो आवाज, वे इसे नहीं लेना—लेना चाहते हैं। अब आवाज को याद करे।

168 फिर से वचन की ओर वापस जाए। यीशु के मसीहा का चिन्ह, यशायाह 35 के अनुसार, "लंगड़ा हिरण के समान कूदेगा," और यह सब।

169 "यह अद्भुत बात थी!" ओह, उन्होंने इसे स्वीकार किया। यह अच्छा था। उन्होंने यह विश्वास किया। उन्होंने चिन्ह पर विश्वास किया। "आओ, रब्बी, मेरी कलीसिया में आओ, हम आपका पूरा सहयोग करेंगे। निश्चय ही, हम आप पर विश्वास करते हैं। आप तो अद्भुत है। आप रब्बी है। आप युवा भविष्यव्यक्ता है। अंदर आओ! हर प्रकार का सहयोग देंगे! चिन्ह अद्भुत है।"

170 लेकिन जब आवाज बोली, और कहा, "मैं और मेरा पिता एक हैं।"

171 ओह, प्रभु, वे इसका विश्वास नहीं कर पाए। "तुम अपने आप को परमेश्वर बनाते हो।" वे उस आवाज को नहीं चाहते थे। उन्हें चिन्ह पसंद

आया। वे इसे जानते थे, उन्होंने स्वीकार किया कि यह मसीहा का चिन्ह था, लेकिन, उस आवाज को, उन्होंने इसे पसंद नहीं किया।

"जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे।"

और उन्होंने कहा, "वो बालजबूल है।"

उसने कहा, "तुम सर्प के वंश हो।"

172 ओह, उन्होंने उस आवाज से घृणा की। उन्होंने क्या किया? उन्होंने उस आवाज को उनके बीच में से बाहर रखा। उन्होंने उसे बाहर रखा।

173 यीशु ने कहा, "यदि वे घर के स्वामी को 'बालजबुल' कहते हैं, तो वे उसके चेलों को कितना और अधिक कहकर बुलायेंगे? "

174 याद रखें, प्रकाशितवाक्य 3 में, लौदिकियन युग में। यह लौदीकिया है; सदोम का चिन्ह आने पर है। आवाज, "वचन की ओर वापस वचन आओ, इन मत–सिद्धांत और संप्रदायों से दूर रहो, और वापस वचन की ओर फिरो," जब ये आया, प्रकाशितवाक्य 3 के अनुसार, उसे कलीसिया से बाहर रखा गया था, बिल्कुल जैसा कि उस समय पर था।

175 "चिन्ह तो ठीक बात है, लेकिन आवाज नहीं।" वे आवाज के साथ कोई लेना–देना नहीं रखना चाहते। नहीं, नहीं; आवाज। लेकिन मूसा ने कहा, यदि वे नहीं चाहते, या...

176 परमेश्वर ने मूसा से कहा, "वे पहले चिन्ह की उस पहली आवाज का विश्वास नहीं करना चाहेंगे, उन्हें दूसरी आवाज पर जांचे। और यदि वे ऐसा नहीं करना चाहते, तो जाकर थोड़ा सा जल लेना और इसे भूमि पर उंडेल देना।" इससे बात ख़त्म हो जाती है। बस ऐसा ही है। "साफ कर लो, अपने पैरों पर की धूल को—धूल को," दूसरे शब्दों में, जैसा कि यीशु ने कहा। कहा, "नदी में से थोड़ा जल लेकर, इसे भूमि पर उंडेल दो, ये लहू बन जायेगा, और दिखायेगा कि यही है जिसमें वो भीगने जा रही है, वो लहू।" सो यह बिल्कुल ठीक ऐसा ही था।

177 यदि उन्होंने उस चिन्ह का विश्वास नहीं किया, तो फिर तीसरे चिन्ह ने इसे वास्तव में समझा दिया। सारी सेवकाईयों के पास तीन चिन्ह है, यदि इसे परमेश्वर की ओर से भेजा गया है। यीशु के पास तीन चिन्ह थे। मूसा के पास तीन चिन्ह थे। नूह के पास तीन चिन्ह थे। एलिय्याह के पास तीन चिन्ह थे। हर एक चीज तीन चिन्हों में आती है। ध्यान दें। मित्रों, सुनना।

178 थोड़ी देर हो रही है। मैंने... ओह, प्रभु, मैं नहीं जानता था कि इतनी देर हो चुकी थी, पंद्रह मिनट ज्यादा बीत चुके है।

179 यदि आप लूका के सादोम के चिन्ह पर विश्वास कर सकते हैं, देखो, जैसा कि उसने इसकी प्रतिज्ञा की है; आप सदोम के चिन्ह पर विश्वास करते है, तो फिर आप मलाकी की उस आवाज को क्यों स्वीकार नहीं कर सकते जो चिन्ह के पीछे–पीछे जाती है कहती है, "वचन की ओर वापस आओ"? [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] बाईबल ऐसा कहती है, और आप इसे देखते हैं, तब चिन्ह की आवाज को सुने।

180 आने वाले उस क्रोध से भागो! ऐसा मत सोचो, "क्योंकि मैं यूपीसी से संबंध रखता हूं, असेंबली ऑफ गॉड से, मेथोडिस्ट से, बैपटिस्ट से, प्रेस्बिटेरियन से, तो मुझे अंदर जाने का अधिकार है।" परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान को खड़ा कर सकता है। वचन की ओर फिरो! अपने संसारवाद से दूर रहो और आपकी संगठनात्मक सिद्धांतो, और आदि–आदि से दूर रहो। परमेश्वर उन्हें धरती के ऊपर से नष्ट कर देगा। वह उन्हें भूल जाने वाले समुद्र की गहराई में डुबा देगा, ठीक बिल्कुल वैसे ही जैसे उसने मिस्र को किया था, जब उसने इस्राएल को बुलाया, राष्ट्र में से एक राष्ट्र को। जब वह दुल्हन को कलीसिया से बाहर बुलाता है, तो वह महासंकट में से होकर जाएगी, धरती पर अपना लहू बहाएगी। उस आने वाले क्रोध से भागो, क्योंकि यह निकट है!

181 आप इन चीजों को नहीं देख सकते बिना... मैं नहीं जानता कि आप उनके विषय में क्या सोचते हैं। मैं केवल उन्हें पढ़ने और इसके विषय में बात करने के लिए जिम्मेदार हूं। ये आपके ऊपर है! आप चिन्ह का विश्वास कर सकते हैं, उसके बाद उस आवाज का विश्वास करें जो चिन्ह के पीछे–पीछे आती है। ओह, प्रभु!

182 देखो, मूसा, जो अब बाहर जाने का नमूना है। उसे उन लोगों को एक प्रतिज्ञा के विषय में बताना था जो उन पूर्व–पिताओं को दी गई थी। "मुझे उनकी प्रतिज्ञा याद है जो उनके पूर्व–पिताओं से थी।" और अब मूसा को क्या—क्या करना है? लोगों के ह्रदयो को वापस फेरना है जो पूर्व–पिताओ ने कहा था। और जैसे मूसा उस समय पर था, वैसे ही मलाकी 4 है, "कि लोगों को वापस पूर्व–पिताओ के विश्वास की ओर फेरे।"

183 संप्रदायों और इत्यादि के ये सारे संदेह, वचन की ओर वापस आ

जाओ! मैं आपको जानता हूं, बहुत से लोग ऐसा करना पसंद करते हैं; मैं अभी आपको यहां डांट नहीं रहा हूं। ये टेप संसार भर में जाते हैं, देखिए, हर कहीं। मैं आपको नही डांट रहा हूं, लेकिन ये जो कोई भी है, मैं तो उसे डांट रहा हूं, यह जिसके लिए होना चाहिए। मैं तो बीज को बोने वाला हूं। मैं बस इतना ही करना जानता हूं। यह तो आप पर है कि निर्णय को ले। उस क्रोध से भागो जो आने वाला है, लोगो!

184 ऐसा मत सोचो क्योंकि तुम पेंटीकोस्ट हो। ऐसा मत सोचो क्योंकि आपकी मां एक अच्छी, पवित्रकरण मेथोडिस्ट थी, या आपके पिता एक अच्छे, चिल्लाने वाले बैपटिस्ट थे। ऐसा मत सोचो कि इसका आपसे कुछ भी लेना–देना है। ऐसा मत सोचो क्योंकि आप उस कलीसिया से संबंध रखते हैं जिसे उन्होंने बनाया है, या जिस कलीसिया को आप अभी बना रहे हैं। ऐसा मत सोचो क्योंकि आप पेंटीकोस्टल अन्य जुबान में बोले और आत्मा में नाचे, और चालीस वर्ष पहले, उसकी मंजिल पर ऊपर–नीचे दौड़े थे। ऐसा मत सोचो क्योंकि आपकी चंगाई सभाये हो चुकी है, और इत्यादि।

185 उस चिन्ह को देखने से मत चूकना, उस अग्नि के स्तंभ के चिन्ह को, जिसे परमेश्वर प्रमाणित कर चूका है; और इसके पीछे की आवाज, परमेश्वर की ओर वापस मुड़ने के लिए। इसे आपको छोड़ कर ना जाने दे। वहां पर एक चिन्ह और एक आवाज है।

186 जब एक मनुष्य चिन्ह के साथ ऊपर उठता है, वही पुरानी विचारधारा, तो वहां पर कुछ तो गलत है, तो यह परमेश्वर की ओर से नहीं आ रहा है। ओह, प्रभु! "अब उसके मार्गो को सीधा करो!" अब, आप इसे विश्वास करते हैं? "तो फिर वापस आ जाओ, हे अंधे और बिखरे हुए, अपनों के पास।" बाईबल... गीत के लेखक ने कहा:

> राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जागृत हो रहा है,
> वे चिन्ह जो बाईबल ने पहले से बताये;
> अन्यजातियों के दिन गिने हुए हैं, और सतावट के बोझ
> से लदे हुए;
> "वापस आ जाओ, हे बिखरे हुए, अपनों के पास।"

187 वापस आ जाओ! वापस आ जाओ! भविष्यव्यक्ता ने कहा, "सांझ के समय उजियाला होगा।" इससे पहले कि सूर्य पूरी तरह से अंधकारमय

हो जाए, यह उजियाला होगा। उजियाले में चलो, जबकि वहां उजियाला है। थोड़ी देर के बाद विश्वव्यापी परिषद आपके हाथों में ले लेगा, और तब उजियाले के लिए कोई रास्ता नहीं है।

आइये हम अपने सिरों को झुकाये।

188 स्वर्गीय पिता, यह अब आपके हाथों में है। मैंने—मैंने बीज को बोया। मैं नहीं जानता कि वे कहां गिरे। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें आशीषित करेंगे, वे जहां कहीं भी है। और होने पाए कि वे गहराई में अपने स्थान को पा ले, और सारे पथरीले स्थानों को जड़ से उखाड़ दे, और सारी सदाबहार जड़ो को, और जैसा कि ये थी, और सारे अविश्वास को मार्ग से हटा दे। इसे प्रदान करे, पिता। अब हम इसे आपको सौंपते हैं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

189 अपने झुके हुए सिरों के साथ, आपकी आंखें बंद करके। कल रात्रि भोज है। शहर के पापी, मैं... प्रभु ने चाहा तो, मुझे उनसे बात करनी होगी। मैं अब मिली–जुली सभा के लोगो से बात कर रहा हूं। मैं इसे प्रचार करने का साहस नहीं करूंगा; यह उन्हें पहले से कहीं अधिक अंधा कर देगा, इस तरह की सभा में।

190 लेकिन, आप, आज रात, क्या आप विश्वास करते हैं कि आपने चिन्ह को देखा है, और क्या आप आवाज को सुन सकते हैं, यदि आपने सुना है और आप विश्वास करते हैं? और आपने—आपने नहीं सुना है, आप विश्वास करते हैं, लेकिन आपने इसे अभी तक स्वीकार नहीं किया है, मसीह को अपनी परिपूर्णता में, क्या आप अपना हाथ को ऊपर उठाएंगे? और अब हर एक सिर को झुकाया जाए, और हर एक आंख को बंद करे। अपना हाथ ऊपर उठाये, कहे, "भाई ब्रन्हम, जब आप प्रार्थना करते है, मुझे याद करे।" मुझे ऐसा करने में खुशी होगी। परमेश्वर आपको आशीष दे।

191 हमारे स्वर्गीय पिता, बाईबल ने कहा, "जितनो ने विश्वास किया बपतिस्मा पाया।" मैं प्रार्थना करता हूं, प्रभु, कि ये लोग जिन्होंने अपने हाथों को उठाया है, कि वे इसमें विश्वास करते हैं, उन्होंने मसीही बपतिस्मा में बपतिस्मा नहीं लिया है, होने पाए वे कलीसिया को पा ले जो ऐसा करती है, और बपतिस्मा ले। इसे प्रदान करें, प्रभु।

192 होने पाए वे केवल पानी से ही बपतिस्मा ना ले, जो कि केवल एक—

एक बाहरी चिन्ह है कि अंदर कुछ तो घटित हुआ है। बाईबल ने कहा, "एक ही विश्वास है, एक प्रभु, एक बपतिस्मा," और वो बपतिस्मा आत्मिक बपतिस्मा है। शरीर को धोया जाना, यह केवल एक दृष्टांत है, या एक चिन्ह को देता है कि अंदर कुछ तो हुआ है। लेकिन यह तो वो प्राण है जिसका पवित्र आत्मा से बपतिस्मा होना है, यही वो अनंत है जो उस मनुष्य के स्वभाव में आ रहा है और इसे पूरी तरह परिवर्तित करता है, ताकि इसे एक विश्वासी बना सके। मैं प्रार्थना करता हूं कि वे पवित्र आत्मा को पायें। मैं उन्हें अब आपको देता हूं, संदेश के विजय चिन्ह के रूप में, और मसीह के अनुग्रह के। उसके नाम में, मैं प्रार्थना करता हूं। आमीन।

अब अपने झुके हुए सिरों के साथ, आदरपूर्वक।

193 मेरे पास बस सात मिनट है, मैं—मैं समय पर ख़त्म नहीं कर सका। मैं—मैं—में इतने समय में प्रार्थना पंक्ति नहीं ले सकता। मैं आपसे विनंती करूंगा कि आप ठीक वहीं बैठे जहां पर आप हैं। मैं क्षमा चाहता हूं कि आपको देर तक रोके रखा। हम हर एक के लिए प्रार्थना करेंगे। आप लोग, आप में से यहाँ कुछ लोग जिनके पास प्रार्थना कार्ड है, चिंता ना करें, हम आप तक पहुंचेंगे।

194 लेकिन हम बस यह देखने जा रहे हैं कि क्या पवित्र आत्मा अब हम पर प्रकट करेगा, यदि आप उस पर विश्वास करते हैं और आप विश्वास करते हैं कि यह वो चिन्ह है। याद रखें, वो दूत, वो एक मनुष्य था; उसने भोजन खाया, उसने अब्राहम के सामने पिया, और फिर भी वह कर सकता था, और सारा तंबू में थी, वह उन विचारों को पहचान सकता था जो उसके हृदय में थे। यह वो चिन्ह था। वो वचन था। अब यदि वचन केवल हमारे पास आ सकता है, तो फिर, उसने उसी काम को करने की प्रतिज्ञा की है।

195 अब आप वहां जो श्रोतागण में है, जिनके पास प्रार्थना कार्ड नहीं है, और आप जानते हैं कि आप प्रार्थना पंक्ति में नहीं होंगे, मैं आपने अंदर परखने के काम को नहीं कर सकता कि कौन क्या है, जब तक कि प्रभु मुझे नहीं दिखाता। मैं... और आप यह विश्वास करते हैं परमेश्वर निश्चय ही बीमारों को चंगा करता है। मैं—मैं चाहता हूं कि—कि आप ठीक अभी कुछ मिनटों के लिए विश्वास करें। और केवल प्रार्थना करें, और कहे, "प्रभु यीशु, मैं जानता हूं कि वह मनुष्य बोल रहा है, एक मनुष्य है—है, लेकिन उसने मुझे बताया कि, आज रात हमें बताया है, और इसे हमें साबित किया

है; कि, पवित्र आत्मा, जिसे संसार मार नहीं सकता है।"

196 वे यीशु को मार सकते थे जब वह देह में था; उन्होंने उसे मृत्यु के लिए डाल दिया। लेकिन अब वो जी उठा है, महिमावंत अवस्था में है, अब उसे और कभी भी मारा नहीं जा सकता है। और उसने कहा, "थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे फिर ना देखेगा। फिर भी, तुम," जो पहले से ठहराये हुए है, वे जो अनन्त जीवन के लिए नियुक्त किये गये है, कलीसिया, दुल्हन, "तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि तुम में रहूंगा, उस अंत तक। जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे।" ये सारी प्रतिज्ञाये जो उसने की।

197 अब, मैं जानता हूं कि जब वह यहां धरती पर था, वो, परमेश्वर उसमें था। वह परमेश्वर था। वह परमेश्वर की परिपूर्णता था। वो सारा परमेश्वर का वचन था जो प्रगट बना।

198 और बाईबल अब भी परमेश्वर है, वो वचन, और वहां पर कुछ प्रकाशन का प्रकट होना बाकी है। और उसने कहा, "अंत के दिनों में, जब संसार फिर से सदोम के समान हो जाएगा, तब मनुष्य का पुत्र प्रकट होगा।" और सदोम का चिन्ह वापस आएगा, तब आवाज लोगों को वापस बुलाएगी, वे जो जीवन के लिए नियुक्त किये गये हैं।

199 हम जानते हैं, जब वह यहां पर था, वहां धरती पर लाखों लोग थे, जो कभी नहीं जानते थे कि वो यहां पर था; जानने का कोई कारण नहीं। समझे? वह उनके पास आया जो इसे देखने के लिए पहले से ठहराये गये थे।

200 अब आप प्रार्थना करें। अब बिल्कुल शांत रहे। इधर–उधर ना जाये। आप जहां कहीं भी हो, बालकनी में, निचली मंजिलों पर, आप जहां कहीं भी हो, इधर–उधर ना—ना जाये, बस बिल्कुल शांत बैठे रहे, और प्रार्थना करे।

201 कहे, "प्रभु यीशु, बाईबल ने कहा, इब्रानियों 4 में, कि आप ठीक अभी 'एक महायाजक है जिसे हमारी दुर्बलताओं की भावना से छुआ जा सकता है।' और हम आपको धरती पर देखते हैं, जब आप यहां धरती पर थे, एक बार एक छोटी सी महिला ने आपके वस्त्र को छुआ, और तू मुड़कर और कहा, 'किसने मुझे छुआ?'" उसने अपने आप को छिपाया, लेकिन फिर भी उसका विश्वास पहचाना गया था। यीशु ने उसे उसके लहू की बीमारी

के बारे में बताया, और कहा, "विश्वास ने तुम्हें बचा लिया है।" अब वो वही महायाजक है। यदि वह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है, तो उसे उसी तरह से कार्य करना होगा, यदि आप—यदि आप उसे छूते हैं।

202 और तब यह क्या करता है? धरती पर मनुष्य की देह होनी है, ताकि उसकी आवाज को बोले। "मैं दाखलता हूं, तुम डालियां हो।" इसे टालकर निकलने का कोई तरीका नहीं है, मित्रों। यह तो बस वचन है। यह सच्चाई है। आप सेवकगण यह विश्वास करते हैं, वहां पीछे?

203 अब वहां पर, बस वास्तव में आदरपूर्ण बने रहे और प्रार्थना करें, कहे, "प्रभु यीशु, मुझे आपके वस्त्र को छूने दीजिये।"

204 और आप मेरे जो सबसे नजदीक है उसको देखे, जो बीस फुट या उससे अधिक है। मैं वहां पर एक प्राण को भी नहीं जानता। मैं आज रात यहाँ तक वहां बैठे हुए किसी ऐसे व्यक्ति को भी नहीं देख सकता जिसे मैं सचमुच जानता हूं; सिवाय पैट टायलर के जो यहां सामने बैठे हुए है, मेरा एक मित्र। खाट पर, स्ट्रेचर पर लोग है।

205 हमने कल रात देखा एक स्ट्रेचर का मामला ठीक हो गया, और वह व्यक्ति उठ कर और चल कर निकल गया। तो आप सब आज रात क्यों नहीं ठीक हो सकते? देखिए, केवल विश्वास करें, आपको बस इतना ही करना है। उसकी उपस्थिति इसे करेगी। वो यहां पर है, आपको उसके साथ खड़ा होना होगा ताकि आपको अंतिम दिनों में उठा कर खड़ा करे।

206 अब, आप जो विश्वास करते हैं, और सोचते हैं कि आप प्रार्थना कर रहे हैं, अब इसे इस ओर देखें।

207 जैसा कि पतरस और यूहन्ना ने कहा, "हमारी ओर देखो।" और उन्होंने उत्सुकता से देखा, उस मनुष्य ने देखा, कुछ तो देखने की अपेक्षा कर रहा था। उसने कहा, "चांदी और सोना मेरे पास नहीं है, लेकिन जो मेरे पास है... "

208 अब, मेरे पास कोई चंगाई नहीं है, लेकिन मेरे पास जो कुछ है, परमेश्वर की ओर से एक दान, मैं तुम्हे देता हूं। यदि तुम बस इसे विश्वास करो, तो परमेश्वर इसे पूरा करेगा। मैं तो तुम्हे केवल यह विश्वास करने के लिए कह रहा हूं। जो कुछ मेरे पास है, मैं तुम्हें दूंगा। यदि आप इसे विश्वास करें, तो परमेश्वर इसे पूरा करेगा। बस इसका प्रयास करो।

209 यहाँ, ये यहाँ ठीक अभी है। आमीन। मैं इसे पसंद करता हूं। ठीक यहां एक महिला बैठी हुई है। वो एक प्रकार से भारी है, ठीक यहां अंत में बैठी हुई है। क्या आपके पास प्रार्थना कार्ड है, महिला? एक प्रकार से भारी वजन... आपके पास नहीं है... ठीक यहाँ, आपके पास प्रार्थना कार्ड नहीं है? जी हां। आपके पास प्रार्थना कार्ड नहीं है? आप विश्वास करते हैं, जो भी हो? आपको प्रार्थना कार्ड की आवश्यकता नहीं है, यदि आप विश्वास करती हैं।

210 वहां आवाज गुंज रही है, यही कारण है कि लोगों को इस तरह से बुलाना कठिन हो रहा है, लेकिन मुझे जितना ध्यान से अब आप सुन सकते हैं, सुनने की कोशिश करें।

211 मैं आपको नहीं जानता। आपके पास कोई प्रार्थना कार्ड नहीं है, इसी कारण से आप मंच पर नहीं होंगे। यदि परमेश्वर मुझ पर प्रकट करेगा कि आपकी परेशानी क्या है, क्या आप इसका विश्वास करेंगी (क्या?) यह वही बात होगी जैसे उसने स्त्री पर प्रकट किया कि उसकी परेशानी क्या थी? कुएं पर स्त्री? साराह, उसने क्या कहा था, और इत्यादि? क्या आप यह विश्वास करते हैं? आप विश्वास करते हैं कि यह सब ठीक हो जायेगा?

212 आप लहू की बीमारी से पीड़ित हैं, आपके लहू में कुछ तो गलत है। यदि यह सही है, तो अपने हाथ को ऊपर उठाये। ठीक है। अब आपके पास ये नहीं है। यह आपके ऊपर उजियाला हो गया है। यीशु मसीह ने आपका सम्मान किया है।

213 अब, मैंने अपने जीवन में कभी भी उस महिला को नहीं देखा। अब यह क्या है? ये आत्मा ही होना है। अब आप फरीसियों की तरह कह सकते हैं, "यह तो शैतान है," तो, आपको उनका प्रतिफल मिलता है। आप कहते हैं, "यह तो मसीह है," आपको मसीह का प्रतिफल मिलता है। मैं विश्वास करता हूं कि यह वचन है जिसे इन अंतिम दिनों में पहचाना गया है; मुझे नहीं।

214 यहाँ, यहाँ पर एक और छोटी महिला है जो ठीक यहाँ बैठी हुई है। वह अपने पैरों में सूजी हुई नसों से पीड़ित है। उसे परेशानियाँ हैं। उसे ह्रदय रोग है। वो एक प्रिय जन के लिए प्रार्थना कर रही है, जो एक भाई है। वो अब रो रही है। वह संपर्क में है। उस भाई की बहुत ही गम्भीर स्थिति है। यह मधुमेह की बीमारी है। और, इसके अलावा, उसकी एक और छाया है,

वो एक पापी है। और आप उसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। यह सही बात है। कुमारी वेल्टन, यदि आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें, परमेश्वर उसके लिए ऐसा करेगा। आप इसे विश्वास करती हैं? यही आपके नाम है।

215 अब क्या यह उससे अधिक है जो यीशु ने शिमौन से कहा, "तेरा नाम शिमौन है, तू योना का पुत्र है"? केवल विश्वास करे। इस पर संदेह ना करें। इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें। यदि आप इसका विश्वास करते हैं, तो परमेश्वर इसे पूरा करेगा। यदि आप बस...

216 यहाँ, यहाँ एक छोटी महिला ठीक यहाँ पर बैठी हुई है, ठीक यहाँ मेरी ओर देख रही है। उसके बाल एक प्रकार से लाल है। उसके बाल पीछे की ओर खींचे हुए हैं।

217 क्या आप उस उजियाले को नहीं देख सकते, जो एक प्रकार से अग्निमय रंग का है, स्त्री के चारों ओर गोल–गोल घूम रहा है? वह जानती है कि यह ठीक अभी हो रहा है, क्योंकि वह इसे महसूस कर रही है। यह उसके बहुत ही पास है, वह इसे महसूस किए बिना नहीं रह सकती। यदि यह सही है, महिला, तो अपना हाथ ऊपर की ओर उठाये। वहां उसने हाथ उठाया है।

218 अब मैं आपके लिए पूरी तरह से अजनबी हूं। मैं आपके बारे में कुछ भी नहीं जानता। लेकिन आप वहां बैठे हुए प्रार्थना कर रहे थे। यह सही है। यदि यह सही है, तो अपने हाथ को *इस* तरह से हिलाये। अब, यदि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है, जो कि वो है, एक महायाजक जो परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा हुआ है... और मैं यहां पर केवल एक दान के द्वारा खड़ा हूं, अपने आप से अ–... इसमें से, केवल मनुष्य के तर्क–वितर्क से बाहर, अपनी खुद की सोच को न लगाकर, अपने मन और विचारों को विश्राम देने का एक तरीका, और बस परमेश्वर को अंदर आने दे। क्या आप विश्वास करती हैं कि वह... मैं, परमेश्वर जानता है कि मैं आपको नहीं जानता; और आप उसी तरह से नहीं जानती हैं। सो यदि परमेश्वर मुझ पर आपकी परेशानी को प्रकट करता है, या कुछ तो जिसके लिए आप प्रतीक्षा कर रही हैं, चाहती है, या कुछ तो और, क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर करेगा, इसे कर सकता है?

219 आपको अपनी पीठ में परेशानी है। यह उन परेशानियों में से एक है जिसके लिए आप प्रार्थना कर रही हैं। और आपकी आंखों में परेशानी है। क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर उन्हें चंगा करेगा और उन्हें ठीक

कर देगा? आप करती हैं? आप करती हैं? क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आप कौन हैं? श्रीमती हॉलमैन, अब आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करे, जो आपने मांगा है, आपके पास हो सकता है। क्या आप विश्वास करती हैं?

220 यहाँ उसके पीछे थोड़ी दूर पर एक बुजुर्ग महिला बैठी हुई है। वह भी प्रार्थना कर रही है। उसे मधुमेह है। मैं आशा करता हूं कि वो इससे नहीं चूकेगी। यह ठीक उसके ऊपर है। वह एक प्रकार से वृद्ध अवस्था है। बस एक मिनट, होने पाए प्रभु अब मेरी सहायता करें। उसकी... वहां उसने इसे पकड़ लिया। तो ठीक है। मैं देखता हूं जब वह संपर्क में थी। वह यहां से नहीं है। वह लुईसियाना से है। उसका—उसका शहर एक स्थान है जिसे सिंगर लुईसियाना कहा जाता है। और वह मधुमेह से पीड़ित है। उसका नाम श्रीमती डोयल है। यदि यह सही है, तो अपना हाथ ऊपर उठाये। तो ठीक है। मैं उसके लिए पूरी तरह से अजनबी हूं, मैंने उसे अपने जीवन में कभी नहीं देखा। लेकिन यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र, आपके बारे में सब कुछ जानता है।

221 वहां पीछे एक महिला बैठी हुई है, जो उसी शहर से है, एक स्थान जिसे सिंगर कहा जाता है। वह उच्च रक्तचाप से पीड़ित है। और उसका नाम क्लार्क है। आप विश्वास करती हैं, श्रीमती क्लार्क? तो ठीक है, आपके पास वो हो सकता है जो आपने मांगा है।

आप विश्वास करती हैं?

222 वहां चिन्ह है! आवाज की ओर ध्यान दे! पश्चाताप करें, जितनी जल्दी हो सके परमेश्वर के पास वापस आ जाये! यीशु मसीह यहां अपने पुनरुत्थान की सामर्थ में है; दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी को लोगों के बीच रहने वाले यीशु मसीह का चिन्ह मिलता है। वह मेरे साथ ही ऐसा नहीं कर सकता है, यह आपके लिए भी करेगा। देखो, स्त्री को उसके वस्त्र को छूना था। आपको उसके वस्त्र को छूना था। हम तो बस साधन है।

223 क्या आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं? अब यदि आप विश्वास करते हैं कि... कितने लोग इसे विश्वास करते हैं, अपने हाथों को ऊपर उठाये, *इस* तरह से, कहे, "मैं सचमुच इसका विश्वास करता हूं।"

224 अब यदि आप इसका विश्वास करते हैं, यीशु ने यह कहा, "ये चिन्ह विश्वास करने वालों के पीछे–पीछे जायेंगे; यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे,

तो वे चंगे हो जाएंगे।" क्या आप यह विश्वास करते हैं?

225 अब देर हो चुकी है। हमारे पास समय नहीं है। अब दस बजने में पच्चीस मिनट है। क्या आप तब अपने हाथों को एक दूसरे पर रखेंगे? और जैसा मैं अभी आपको बताता हूं, वैसा ही करें, बस अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें।

226 अब आप जानते हैं, वहां जो ऊपर है, हर कहीं आप जहां पर भी हैं। अब आप जानते हैं, साथ ही अब किसी भी चीज़ के विषय में, वचन के प्रचार किये जाने के बाद और पूरे भवन में स्पष्ट रूप से पहचान को दिया गया है।

227 मैं ठीक अभी एक और जन को देखता हूं। समझे? और ठीक यहाँ एक और है, प्रोस्टेट की परेशानी। एक महिला जिसे टीबी है। उह–हुंह। कहे तो, यह अब हर कहीं पर है, लेकिन यह आपको कमजोर कर रहा है।

228 क्या अलग, और अधिक क्या? आप पचास देखते हैं, कभी–कभी ऐसा होता है, और आप अगली बार सत्तर देखना चाहते हैं। यीशु ने एक बार सूखार में ऐसा किया, और पूरे शहर ने उस पर विश्वास किया। वे मसीहा की प्रतीक्षा कर रहे थे।

229 मसीहा यहां पर है, वो पवित्र आत्मा, इस दिन का मसीहा; वो मसीहा जो वचन को प्रमाणित बना रहा है, जो उसकी प्रतिज्ञा का है।

230 अब मैं आप में से हर एक से चाहता हूं, जब आप एक दूसरे पर हाथ रखते हैं, यदि आप विश्वासी हैं। अब आप अपने लिए प्रार्थना ना करें। आप उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करे, और वे आपके लिए प्रार्थना करेंगे। अब, वही वचन जिसने अंत के दिनों में इसकी प्रतिज्ञा की थी, यह भी प्रतिज्ञा की...

231 और याद रखें, यीशु ने कहा, "ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे जायेंगे वे जो विश्वास करते हैं।" चंगाई, वापस आती हुई, ये वो आवाज है जिसे चिन्ह ने पहचान दी है। वे बीमारों पर हाथ रखते हैं, एक चिन्ह के रूप में; वो आवाज एक "हाल्लेलुय्या है, प्रभु ने मुझे चंगा किया है!" अब यदि ये चिन्ह एक आवाज के साथ–साथ है, वो चिन्ह, यदि आप एक विश्वासी हैं, तो यह साथ–साथ आएगा। आवाज चिन्ह के साथ–साथ आएगी।

232 यदि मैं आपको यह चिन्ह देता हूं, जो मैंने आपको बताया है कि यह परमेश्वर की ओर से आता है, और परमेश्वर ने इस दिन में इसकी प्रतिज्ञा

की है; इसे इतनी अच्छी तरह से रखा गया है, ऐसा कुछ नहीं है जिसे एक नास्तिक इसे विश्वास करने से बच सके। देखा? तब परमेश्वर पीछे की ओर मुडकर और इसकी पुष्टि करता है, ताकि इसे ऐसा ही बनाये। अब वो यहां पर है।

233 अब हर एक जन, जिस तरह से आप अपनी खुद की कलीसिया में प्रार्थना करते हैं, यदि यह आप में करते है, तो जोर से करे, जो कुछ भी है, आप उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करे जिस पर आपने हाथ रखा है, क्योंकि वे आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

234 और अब ऊपर की ओर देखें। और मसीहा की उपस्थिति में, वो मसीह, वो एक जो पुनरुत्थित हुआ, दो हजार वर्षों के बाद अब भी जीवित है, तो हम आत्मा में भला इतने सुन्न कैसे हो सकते हैं? इससे तो इस देश में आग लग जानी चाहिए। इससे तो ब्यूमोंट को टाट ओढ़े और राख में पश्चाताप करना चाहिए। लेकिन क्या ये ऐसा करेगा? नहीं।

235 लेकिन आप जो उसके लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं, और विश्वास करते हैं कि वह इसे करेगा और अपने वचन को पूरा करेगा, अब यह आपके ऊपर है कि प्रतिज्ञा दी गई है। अपने हाथों को किसी पर रखें और प्रार्थना करें, जब मैं यहां से आपके लिए प्रार्थना कर रहा हूं।

236 प्रभु यीशु, बहुत कुछ कहा गया है, बहुत कुछ किया जा चूका है। वो वचन जिसकी प्रतिज्ञा की गई है, प्रकट हो चूका है। मसीहा, परमेश्वर का मसीह, जो दिव्य उपस्थिति में है। हम उसे महसूस करते हैं। हम उसे देखते हैं। हम जानते हैं कि उसने अंत के दिनों में इसकी प्रतिज्ञा की है। "जैसा सदोम के दिनों में हुआ था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के प्रकट होने के समय पर भी होगा।" तब, हम जानते हैं।

237 हम आकाश में उस—उस आग को देखते हैं, परमाणु बम। हम कीड़े खाये हुए राष्ट्रों को देखते हैं, राष्ट्र टूट रहे हैं। हम देखते हैं कि इस्राएल अपने खुद के देश में है। हर एक चिन्ह जिसकी प्रतिज्ञा की जा सकती थी, पूरी हुई है। अगली चीज वो प्रतिज्ञा किया गया पुत्र है, जो आ रहा है।

238 हे अनंत परमेश्वर, यीशु मसीह की उपस्थिति में, वो महान पवित्र आत्मा जो अब यहाँ पर है इस बात की पुष्टि करते हुए कि वो यहाँ पर है, इन लोगों की प्रार्थना को सुने, इन मसीही लोगो की सुने; कि, जब मैं चला जाता हूं, तो वे यह ना कहें, "भाई ब्रन्हम ने ऐसा किया।" किसी और ने,

जिसे वे नहीं जानते थे, उन पर हाथ रखा और वे चंगे हो गये। लेकिन आपने प्रतिज्ञा की है कि आवाज के पास इसके लिए एक चिन्ह था। और होने पाए वे चंगे हो जाए, जैसा कि मैं उन्हें आपको सौंपता हूं, यीशु के नाम में।

64–0313 चिन्ह की आवाज़
मुन्सीपल ऑडीटोरियम
बीयूमोंट, टेक्सास यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org